



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 357]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 1, 2011/आषाढ़ 10, 1933

No. 357]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 1, 2011/ASADHA 10, 1933

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2011

सं. 43/2011-सीमा-शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 500(अ).—सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. लघु शीर्षक और प्रारंभ.—(1) इन नियमों को सीमा-शुल्क टैरिफ (भारत गणराज्य और मलेशिया की सरकारों के बीच अधिमान्य व्यापार करार के अंतर्गत माल के उद्गम का निर्धारण) नियमावली, 2011 कहा जाएगा।

(2) यह 1 जुलाई, 2011 को प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “वाहक” का अर्थ है वायु, समुद्र और भूमि द्वारा परिवहन के लिए कोई भी वाहन ;

(ख) “सीआईएफ मूल्य” का अर्थ है वह कीमत जो निर्यातक को माल के लिए वास्तव में भुगतान की गई है या देय है और जिसमें माल की लागत, बीमा और माल को नामित गंतव्य बंदरगाह तक पहुंचाने के लिए आवश्यक भाड़ा शामिल है और मूल्यांकन शुल्क तथा व्यापार पर सामान्य करार (जी ए टी टी), 1994 के नियम VII के कार्यान्वयन पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) करार के अनुसार किया जाएगा ;

- (ग) "पोत पर्यन्त शुल्क" का अर्थ है वह कीमत जो निर्यातक को माल के लिये वास्तव में भुगतान की गयी है या देय है जब माल को वाहक पर निर्यात हेतु नामित बंदरगाह के लिये चढ़ाया जाता है और जिसमें माल की लागत और माल को वाहक पर लाने हेतु सभी आवश्यक लागत संलग्न होते हैं और मूल्यांकन शुल्क तथा व्यापार पर सामान्य करार (जी ए टी टी), 1994 के नियम VII के कार्यान्वयन पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) करार के अनुसार किया जाएगा;
- (घ) "माल" का अर्थ है कोई भी माल, उत्पाद, वस्तु या सामग्री;
- (ङ.) "एकरूप प्रणाली" का अर्थ है एकरूप वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली की नामावली जो कि एकरूप वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में परिभाषित की गयी है और इसमें उस पर आधारित वे सभी कानूनी टिप्पणियां संलग्न हैं जो कि राज्य पक्षकारों द्वारा उनके संबंधित शुल्क कानून में अपनाए और कार्यान्वित किये गये;
- (च) "समान और अंतरहस्तांतरणीय सामग्रियां" का अर्थ एक ही प्रकार और वाणिज्यिक गुणवत्ता वाली ऐसी सामग्रियां हैं जिनकी एक जैसी तकनीकी और भौतिक विशेषताएं हो और एक बार उन्हें परिष्कृत माल में शामिल कर दिए जाने के बाद किसी पहचान से मूल के उद्देश्यार्थ एक दूसरे को अलग नहीं किया जा सके;
- (छ) "सामग्री" का अर्थ सामग्री, कच्चा माल, भागों, संघटक, उप संग्रहण और माल से है जो कि एक अन्य माल के उत्पादन में प्रयुक्त किया जाता है तथा जिसे भौतिक रूप से एक अन्य माल के उत्पादन में शामिल किया जाता है;
- (ज) "उदगमित माल" से अर्थ नियम 2 के प्रावधानों के अनुसार उदगमित माल के रूप में जाना जाने वाला माल है;
- (झ) "पक्षकारों" का अर्थ भारत और मलेशिया गणराज्य की सरकारें हैं;

(ज) "पक्षकार" का अर्थ भारत या मलेशिया गणराज्य की सरकार है;

(ट) "उत्पाद विशिष्ट नियमावली" ऐसे नियम हैं जो विनिर्दिष्ट करते हैं कि टैरिफ वर्गीकरण अथवा विशिष्ट उत्पादन अथवा प्रसंस्करण संचालन में सामग्रियों का परिवर्तन हुआ है अथवा इन नियमों के साथ संलग्न अनुबंध-1 में किए गए प्रावधानों के अनुसार मूल्य अंतर्वस्तु मानदंड अथवा इनमें से कुछ मानदंडों को पूरा किया गया है; और,

(ठ) "उत्पादन" से अर्थ माल को प्राप्त करने की विधि से है जिसमें उगाना, रोपना, खनन, सार निकालना, फसल बोना, मत्स्य पालन, उत्पादन, पुनः उत्पादन एवं नस्ल पैदा करवाना, फंसाना, एकत्रित करना, संग्रहित करना, शिकार करना, विनिर्माण, प्रसंस्करण, माल को जोड़ना और तोड़ना शामिल है।

3. उद्गम मानदंड.- इन नियमों के उद्देश्यार्थ पक्षकार द्वारा आयातित ऐसे माल, जो नियम 8 के अर्थान्तर्गत सीधे मंगाए जाते हैं, को अधिमान्य टैरिफ के लिए मूल और योग्य के रूप में माना जाएगा, यदि,-

(क) माल, जैसा कि नियम 4 में निर्दिष्ट किया गया है, पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया प्राप्त अथवा उत्पादित हैं; अथवा,

(ख) माल, निर्यातक पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया प्राप्त अथवा उत्पादित नहीं हैं, किन्तु उक्त माल नियम 5 अथवा नियम 6 के अंतर्गत अधिमान्य उपचार के पात्र हों।

4. पूर्णतया प्राप्त अथवा उत्पादित माल.- (1) नियम 3 के खंड (क) के अर्थान्तर्गत निम्नलिखित माल को पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया प्राप्त अथवा उत्पादित माना जाएगा, यथा:-

(क) पौधे और वहां उगाए जाने के बाद पौधों के उपजाए गए, तौड़े गए एकत्रित किए गए उत्पाद;

(ख) जीवित पशु जिनका जन्म और पालन वहां हुआ;

- (ग) खंड (ख) में संदर्भित पशुओं से प्राप्त माल;
- (घ) भू क्षेत्र के अंतर्गत शिकार या फंसाकर प्राप्त किया गया माल या प्रादेशिक समुद्र के अंतर्गत या आंतरिक जल स्रोतों के अंतर्गत मछली पकड़ना या जल से उत्पादन करना;
- (ङ.) मिट्टी, जल, समुद्रतल अथवा समुद्रतल के नीचे से लिए गए अथवा प्राप्त खंड (क),(ख),(ग) अथवा (घ) में शामिल नहीं किए गए खनिज और अन्य प्राकृतिक पदार्थ;
- (च) पक्षकार के प्रादेशिक समुद्र के बाहर, समुद्र तल या समुद्र तल के नीचे से लिया गया माल:

बशर्ते कि, पक्षकार के पास समुद्री विधि पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र समझौते के अनुसार ऐसे समुद्र तल या समुद्र तल के नीचे का लाभ उठाने के अधिकार हों;

- (छ) ऐसे जहाजों से मछली पकड़ना और अन्य माल लेना जो पक्षकार के पास पंजीकृत हैं और जो पक्षकार का ध्वज फहराने के लिए अधिकृत है;
- (ज) विशिष्ट रूप से उपर्युक्त (छ) में उल्लिखित माल से पक्षकार के पास पंजीकृत जहाजों पर कारखाने में बनाए गए अथवा प्रसंस्कृत माल;
- (झ) वहां एकत्रित वस्तुएं जिसमें वहां के उत्पादन से होने वाले व्यर्थ पदार्थ और स्क्रेप शामिल हैं जो अब अपना मूल कार्य नहीं कर सकते और न ही पुनः बनाए जाने या मरम्मत किए जाने के योग्य हैं और केवल भागों या कच्चे माल के केवल निपटान या पुनः प्राप्त करने के योग्य हैं या पुनः उत्पादित करने के योग्य हैं; और,
- (ञ) खंड (क) से (झ) में संदर्भित माल से अनन्यतम रूप से पक्षकार के क्षेत्र में उत्पादित या प्राप्त माल।

(2) निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए,-

(i) खंड (क), "पौधा" का अर्थ वन्य सामग्रियों, फलों, फूलों, सब्जियों, पेड़ों, शैवाल, फूंगी और हरे भरे पौधों सहित सभी पौधे हैं।

(ii) खंड (ख) और खंड (ग), "पशुओं" शब्द में स्तनधारियों, पक्षियों, मछली, क्रस्टेशियन मोलस्क, सरीसृप और जीवित तंतुओं सहित सभी पशु जीवन शामिल हैं।

(iii) खंड (ग), "उत्पाद" शब्द में दूध, अंडे, प्राकृतिक शहद, बाल, वूल तथा खंड (ख) में उल्लिखित जीवित पशुओं से प्राप्त शुक्र और गोबर सहित बिना आगे प्रसंस्करण किए जीवित पशुओं से प्राप्त उत्पाद शामिल होंगे।

(iv) खंड (झ), माल में, उत्पाद अथवा प्रसंस्करण संचालनों अथवा उसी देश में खपत के परिणामस्वरूप प्राप्त चूरे और अवशिष्ट, चूरे की मशीन, फेंक दिए गए पैकिंग सामग्री तथा सभी ऐसे उत्पादों, जो जिस उद्देश्य के लिए उनका उत्पाद हुआ था वह उद्देश्य पूरा नहीं कर सकते हैं और कच्ची सामग्रियों की प्राप्ति के लिए हटाने हेतु ही उपयुक्त हैं, सहित सभी चूरे और अवशिष्ट शामिल होंगे तथा ऐसे उत्पादन अथवा प्रसंस्करण संचालनों में, ऐसे सभी प्रकार के प्रसंस्करण शामिल होंगे जिनमें औद्योगिक, रासायनिक, खनन, कृषि निर्माण, अधिशोधन, निर्दाहन गंदे पानी के शोधन कार्य, शामिल हैं।

5. माल जो पूर्णतया प्राप्त अथवा उत्पादित नहीं किया गया है.- (1) नियम 3 के खंड (ख) के प्रयोजन के लिए माल को उत्पादित हुआ तभी समझा जाएगा,-

(क) जब ऐसे माल इन नियमों के अनुबंध-1 में उल्लिखित उत्पाद विशिष्ट नियमावली के अंतर्गत मानदंड को पूरा करते हैं; अथवा

(ख) (i) माल के उत्पाद में प्रयुक्त सभी गैर मूल वाली सामग्रियों के टैरिफ वर्गीकरण में उप शीर्ष में एकीकृत प्रणाली के छः अंकीय स्तर पर परिवर्तन हुआ हो; और,

(ii) माल का अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु एफ ओ बी मूल्य के पैंतिस प्रतिशत से कम नहीं हो:

बशर्ते कि उत्पादन की अंतिम प्रक्रिया निर्यातक पक्षकार के क्षेत्र के अंतर्गत हुई हो।

(2) इस नियम के उद्देश्यों के लिए अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु के परिकलन के लिए निम्नलिखित सूत्र हैं, अर्थात्:-

(क) प्रत्यक्ष पद्धति:-

$$\begin{array}{ccccccccc} \text{मूल} & & \text{प्रत्यक्ष} & & \text{प्रत्यक्ष} & & \text{अन्य} & & \\ \text{सामग्री} & + & \text{श्रम} & + & \text{ऊपरी} & + & \text{लागत} & + & \text{मुनाफा} \\ \text{लागत} & & \text{लागत} & & \text{लागत} & & & & \\ & & & & & & \times 100\% \geq 35\% \end{array}$$

एफ ओ बी मूल्य

(ख) अप्रत्यक्ष पद्धति:

$$\begin{array}{ccccccc} \text{आयातित गैर} & & \text{अनिर्धारित} & & & & \\ \text{मूल वाली} & & \text{मूल वाली} & & & & \\ \text{सामग्रियों का} & + & \text{सामग्रियों का} & \times & 100\% & \leq & 65\% \\ \text{मूल्य} & & \text{मूल्य} & & & & \end{array}$$

एफ ओ बी मूल्य

(3) गैर मूल वाली सामग्रियों का मूल्य निम्न प्रकार होगा,-

(क) सामग्रियों, पूर्जों अथवा उत्पाद के आयात के समय सी आई एफ मूल्य; अथवा

(ख) पक्षकार के क्षेत्र में जहां कार्य अथवा प्रसंस्करण होता है, अनिर्धारित मूल वाली सामग्रियों, पूर्जों अथवा उत्पाद के लिए भुगतान किया गया पूर्व में निर्धारित मूल्य

(4) एफ ओ बी मूल्य के परिकलन की पद्धति इन नियमों के अनुबंध-॥ में यथा विनिर्दिष्ट है।

(5) इस नियम के उद्देश्यों के लिए,-

- (क) पक्षकार अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु के परिकलन की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किसी भी पद्धति को अपना सकता है;
- (ख) प्रत्येक पक्षकार एक पद्धति का अनुपालन करेगा;
- (ग) परिकलन की पद्धति में किसी भी परिवर्तन की अधिसूचना नई पद्धति अपनाने से छः महीने पूर्व दूसरे पक्षकार को दी जाएगी; और
- (घ) आयातक पक्षकार द्वारा अंतर्वस्तु की जांच निर्यातक पक्षकार द्वारा प्रयुक्त पद्धति के आधार पर की जाएगी।

6. मूल का संचयी नियम.- जब तक मूल पाठ में अन्यथा अपेक्षित न हो नियम 3 में उल्लिखित मूल की अनिवार्यताओं को पूरा करने वाले तथा इन नियमों के अंतर्गत अधिमान्य टैरिफ के लिए पात्र परिष्कृत माल हेतु सामग्रियों के तौर पर पक्षकार के क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाले माल को बाद वाले पक्षकार के क्षेत्र जहां परिष्कृत माल का कार्यकरण अथवा प्रसंस्करण होता है, में उद्भूत माना जाएगा।

7. नगण्य - (1) माल जिनके लिए उत्पादन की अंतिम प्रक्रिया में नियम 5 और अनुबंध-1 के अनुसरण में टैरिफ वर्गीकरण में परिवर्तन नहीं होता है, उद्भूत माना जाएगा, यदि,-

- (क) उस माल के अतिरिक्त जो संतुलित प्रणाली के अध्याय-1 से अध्याय-14 और अध्याय 50 से 63 के अंतर्गत आता है, के लिए उसके उत्पादन में प्रयुक्त गैर उदगमित माल का मूल्य जो टैरिफ वर्गीकरण में अपेक्षित परिवर्तन से नहीं गुजरता है, माल के पोत पर्यन्त शुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो;
- (ख) संतुलित प्रणाली के अध्याय 50 से अध्याय 63 के अंतर्गत आने वाले माल के लिए गैर उदगमित मूल वस्त्र सामग्री जो उनके उत्पादन में प्रयुक्त हुई है और जो टैरिफ वर्गीकरण में अपेक्षित परिवर्तन के अंतर्गत नहीं आई है, का कुल भार प्रयुक्त सभी मूल वस्त्र सामग्री के कुल भार के आठ प्रतिशत से अधिक नहीं हो; और,
- (ग) माल उदगमित माल के रूप में माने जाने के लिए इस अध्याय में निर्धारित सभी अन्य लागू मानदंड पूरे करता हो।

(2) ऐसी गैर मूल वाली सामग्रियों का मूल्य माल के लिए अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु की किसी लागू अनिवार्यता के लिए गैर मूल वाली सामग्रियों के मूल्य में शामिल होगा।

8. न्यूनतम संचालन एवं प्रक्रियाएं.- (1) इन नियमों में कुछ भी अंतर्निहित हो माल को पक्षकार के क्षेत्र में उद्धृत नहीं माना जाएगा यदि निम्नलिखित संचालन विशिष्ट रूप से स्वयं द्वारा अथवा उस पक्षकार के क्षेत्र में मिलकर शुरू किए जाते हैं, अर्थात्:-

- (क) परिवहन और भंडारण के दौरान अच्छी स्थिति में माल के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए संचाल जिसमें सुखाना, ठंडा रखना, लवण के घोल में रखना, संवातित करना, फैलाना, ठंडा करना, नमक, सल्फर डायोक्साइड अथवा अन्य घोलों में रखना, क्षतिग्रस्त भागों को अलग करना और ऐसे ही अन्य कार्य भी शामिल हैं;
- (ख) साधारण संचालन जिनमें धूल निकालना, छानना अथवा ढकना, छांटना, वर्गीकृत करना, वस्तुओं के सैटों को जोड़ने सहित मिलान करना, धोना, रंगना, काटना शामिल हैं;
- (ग) पैकिंग में परिवर्तन करना और खेपों को अलग करना तथा मिलना
- (घ) साधारण काटना, टुकड़े करना और बोतलों, फ्लास्को, बैगों, बक्सों में पुनः पैक करना अथवा रखना, कार्डों अथवा बोर्डों पर चिपकाना तथा सभी अन्य साधारण पैकिंग कार्य;
- (ङ.) माल अथवा उनकी पैकिंग पर चिन्ह, लेबल अथवा ऐसी ही अन्य अलग पहचान चिपकाना;
- (च) माल का साधारण मिश्रण चाहे वे अलग प्रकार के हों अथवा नहीं, जहां मिश्रण के एक अथवा अधिक संघटक मूल माल के रूप में पहचाने जाने हेतु इस अध्याय में निर्धारित शर्तों को पूरी नहीं करते हों;
- (छ) पूर्व माल तैयार करने के लिए माल के पूर्जों का सामान्य संघटन
- (ज) अलग करना;
- (झ) काटना जिसका अर्थ केवल जानवरों की हत्या है; और
- (ञ) केवल पानी अथवा अन्य पदार्थ मिलाना जिससे माल का स्वरूप भौतिक रूप से नहीं बदलता हो।

(2) वस्त्रों और वस्त्र संबंधी माल के लिए वस्तु अथवा सामग्री केवल निम्नलिखित परिवर्तन के आधार पर पक्षकार के क्षेत्र में उद्धृत नहीं माना जाएगा, अर्थात्:-

- (क) मिलाना, लेबल लगाना, दबाना, साफ करना अथवा शुष्क सफाई करना जैसे सामान्य कार्य अथवा पैकिंग कार्य अथवा उनका कोई योग;
- (ख) वस्त्रों को लम्बाई अथवा चौड़ाई में काटना और कौर सिलना, सिलाई करना अथवा ओवर लोक करना जिन्हें तत्काल किसी विशेष वाणिज्यिक उपयोग के लक्ष्य से तैयार माल के रूप में पहचाना जा सके;
- (ग) पट्टों, बैंडों, दानों, कोर्डों, रिंगों और आईलेटों जैसी सहायक सामग्रियों को छांटना, सिलाई से जोड़ना, छल्ला बनाना;
- (घ) धागों, सूतों अथवा अन्य वस्त्र सामग्रियों पर सजाने के एक अथवा अधिक कार्य जैसे, ब्लीचिंग, वाटरप्रूफिंग, निथारना, स्प्रिंकिंग, मर्शरा/ईजिंग अथवा ऐसे ही अन्य कार्य, अथवा
- (ङ.) सूतों अथवा धागों को रंगना अथवा प्रिंट करना ।

स्पष्टीकरण.- इस नियम के उद्देश्यों के लिए "साधारण" शब्द का अर्थ है ऐसे कार्यकलाप जिन्हें करने के लिए विशेष कौशलों अथवा मशीनों, उपकरणों अथवा विशिष्ट रूप से कार्यकलाप के लिए उत्पादित अथवा लगाए गए उपस्करों की आवश्यकता न हो।

9. सीधी खेप.- मूल माल सीधे निर्यातक पक्षकार से आयातक पक्षकार के क्षेत्र में भेजा गया माल माना जाएगा, यदि:-

- (क) माल को किसी भी गैर पक्षकार के क्षेत्र से गुजारे बिना भेजा जाता है; या,
- (ख) माल को ऐसे गैर पक्षकार के क्षेत्र से भेजा जाता है जहां,-
 - (i) ट्रांजिट प्रविष्टि भौगोलिक कारणों अथवा परिवहन आवश्यकताओं के लिए उचित है;
 - (ii) माल का ऐसे गैर पक्षकार के क्षेत्र में व्यापार अथवा खपत नहीं हुआ हो;
 - (iii) ऐसे गैर पक्षकार के क्षेत्र में माल पर उन्हें उतारने और पुनः उनका लदान करने तथा उन्हें अच्छी स्थिति में रखने के लिए अपेक्षित कार्य के अलावा कोई कार्यवाही न की गई हो; और,

(iv) माल ऐसे गैर पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकरण के नियंत्रण के अधीन रहा हो।

10. पैकिंग सामग्रियों और कंटेनरों का उपचार.- (1) यदि माल के लिए नियम 5 के उपनियम (1) के खंड (ख) के उप खंड (i) में यथा उल्लिखित टैरिफ वर्गीकरण में परिवर्तन होता है तो पैक किए गए माल के साथ एक साथ वर्गीकृत पैकिंग सामग्रियों और कंटेनरों को मूल का निर्धारण करते समय ध्यान में नहीं रखा जाएगा।

(2) यदि माल को नियम 5 के उप नियम (1) के खंड (ख) के उप खंड(ii) में यथा उल्लिखित अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु अनिवार्यता के अंतर्गत रखा जाता है तो उन माल के मूल का निर्धारण करने में पैकिंग सामग्रियों और कंटेनरों का मूल्य ध्यान में रखा जाएगा:

बशर्ते कि पैकिंग सामग्रियां और कंटेनर एक ही माल माने जाएं और माल ऐसी पैकिंग सामग्रियों और कंटेनरों में खुदरा विक्रय के लिए पैक किए जाएं ।

स्पष्टीकरण.- पैकिंग सामग्रियों और कंटेनरों जिनमें माल को जहाज में लदान के लिए पैक किया और जिनका माल के परिवहन के लिए विशिष्ट रूप से उपयोग किया जाता है, ऐसे माल के मूल का निर्धारण करने में ध्यान में नहीं रखा जाएगा।

11. उपकरण, खुले पूर्जे औजार और अनुदेश संबंधी अथवा अन्य सूचना संबंधी सामग्री.- (1) माल के साथ प्रदान किए गए उपकरण, खुले पूर्जे, औजार, अनुदेश अथवा सूचना संबंधी सामग्री जिनमें मानक उपकरण, खुले पूर्जे, औजार अथवा अनुदेश अथवा अन्य सूचना संबंधी सामग्री शामिल हैं, मूल माल माना जाएगा और इन्हें यह निर्धारण करने में ध्यान में नहीं रखा जाएगा कि माल के उत्पादन में सूची गैर मूल वाली सामग्रियों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन टैरिफ वर्गीकरण में लागू परिवर्तन होता है अथवा नहीं, अर्थात्:-

(क) उपकरणों, खुले पूर्जों, औजारों अथवा अनुदेश और अन्य सूचना संबंधी सामग्री का माल से पृथक बीजक नहीं बनाया जाता है; और

(ख) उपकरणों, खुले पूर्जों, औजारों अथवा अनुदेश और अन्य सूचना संबंधी सामग्री की मात्रा और मूल्य निर्यातक पक्षकार के घरेलू बाजार में माल के लिए मानक व्यापार प्रक्रिया है।

(2) यदि माल को अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु अनिवार्यता के अंतर्गत रखा जाता है तो उपकरणों, खुले पूर्जों, औजारों अथवा अनुदेश और अन्य सूचना संबंधी सामग्री का मूल्य का ध्यान माल के अर्हक मूल्य अंतर्वस्तु का परिकलन करने में मूल अथवा गैर मूल वाली सामग्रियों के रूप में रखा जाएगा।

12. अप्रत्यक्ष सामग्रियां.- यह निर्धारित करने के लिए कि क्या माल किसी पक्षकार के भूभाग में उत्-पन्न हुआ है, ऐसे माल को प्राप्त करने में लगी ऊर्जा, ईंधन, संयंत्र और उपकरण, मशीन, उपकरण या उपभोग्य सामग्रियों सहित किसी भी अप्रत्यक्ष सामग्री को उत्पन्न सामग्री माना जाएगा भले ही ऐसी सामग्री की उत्पत्ति कुछ भी हो, और उसका मूल्य, ऐसे माल के उत्पादक के लेखा अभिलेखों में दर्ज की लागत होगी।

13. समान और परस्पर विनिमेय सामग्री.- जब उत्पन्न और गैरउत्-पन्न दोनों प्रकार की सामग्री को मिलाकर या संयुक्त रूप से का प्रयोग करके माल का उत्पादन किया जाता है, तो ऐसी सामग्री की उत्पत्ति का निर्धारण आम तौर पर स्वीकृत स्टॉक नियंत्रण के लेखांकन के लागू सिद्धांतों या निर्यात पक्षकार के देश में मालसूची प्रबंधन प्रथाओं के तरीके से निर्धारण किया जाएगा।

स्पष्टीकरण:- इस नियम के प्रयोजनों के लिए, "आम तौर पर स्वीकार लेखांकन सिद्धांतों राजस्व भाग में-का अर्थ पक्षकार के भू ", व्यय, लागत, और दायित्वों, सूचनाओं के प्रकटन तथा वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संदर्भ में मान्यता प्राप्त सर्वसम्मति या पर्याप्त आधिकारिक समर्थन है, और इसमें सामान्य प्रयोग के लिए दिए गए संपत्ति की रिकॉर्डिंग के संबंध में एक पार्टी के राज्य क्षेत्र में दिए गए व्यापक दिशा निर्देश, तथा मानक, प्रथाएं और प्रक्रियाएं शामिल हो सकती हैं।

14. उत्पत्ति का प्रमाणपत्र.- कोई ऐसा दावा कि आयातित माल अधिमान्य टैरिफ उपचार के लिए पात्र माना जाए, निर्यात पक्षकार की सरकार द्वारा नामित अधिसूचित प्राधिकारी या प्राधिकारियों द्वारा, अनुबंध-III द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार

व अनुबंध-IV में निर्दिष्ट स्वरूप में, जारी किये गए उत्पत्ति के प्रमाणपत्र द्वारा समर्थित किया जाएगा।

[फा. सं. 456/13/2010-सी.शु.-V]

अनुबंध -I

अभिनव गुप्ता, अवर सचिव

(नियम 5 देखें)

1. इस अनुबंध के प्रयोजनों से,-

(क) “अध्याय” का अर्थ एकीकृत प्रणाली के अंतर्गत टैरिफ वर्गीकरण के प्रथम दो अंक हैं;

(ख) “शीर्षक” का अर्थ एकीकृत प्रणाली के अंतर्गत टैरिफ वर्गीकरण के प्रथम चार अंक हैं; और

(ख) “उप-शीर्षक” का अर्थ एकीकृत प्रणाली के अंतर्गत टैरिफ वर्गीकरण के प्रथम छह अंक हैं।

2. इस अनुबंध में निम्नलिखित शामिल हैं,-

(क) कॉलम 1 - टैरिफ शीर्षक (4-अंक)

(ख) कॉलम 2 - टैरिफ उप-शीर्षक (6-अंक)

(ग) कॉलम 3 - उत्पाद का विवरण

(घ) कॉलम 4 - लागू उत्पाद-उत्पत्ति के विनिर्दिष्ट नियम।

3. जहां टैरिफ शीर्षक या उप-शीर्षक वैकल्पिक उत्पाद विनिर्दिष्ट नियमों के अंतर्गत हो, तो नियमों में से किसी एक का पालन करना पर्याप्त होगा।

4. जहां उत्पाद विनिर्दिष्ट नियमों में केवल क्षेत्रीय मान विषय-वस्तु की अपेक्षा होती है, उत्पादन का अंतिम प्रसंस्करण एक पक्षकार के तत्वावधान में निष्पादित किया जाना चाहिए।

5. टैरिफ वर्गीकरण में किसी परिवर्तन की जरूरत केवल गैर-उत्पन्न सामग्रियों पर लागू होती है।

6. जहां टैरिफ वर्गीकरण नियम में परिवर्तन, अन्य टैरिफ वर्गीकरणों में किसी परिवर्तन को स्पष्ट रूप से वर्जित करता है, तो यह वर्जन केवल गैर-उत्पन्न सामग्रियों पर लागू होती है।

7. इस अनुबंध के कॉलम 4 के प्रयोजनों से,-

(क) "सीसी" का अर्थ है कि माल के उत्पादन में प्रयुक्त सभी गैर-उत्पन्न सामग्रियों में 2-अंक के स्तर पर टैरिफ वर्गीकरण में परिवर्तन हो चुका है;

(ख) "सीटीएच" का अर्थ है कि माल के उत्पादन में प्रयुक्त सभी गैर-उत्पन्न सामग्रियों में 4-अंक के स्तर पर टैरिफ वर्गीकरण में परिवर्तन हो चुका है;

(ग) "सीटीएसएच" का अर्थ है कि माल के उत्पादन में प्रयुक्त सभी गैर-उत्पन्न सामग्रियों में 6-अंक के स्तर पर टैरिफ वर्गीकरण में परिवर्तन हो चुका है;

(घ) "आरवीसी (XX)" का अर्थ है कि माल का एक क्षेत्रीय मान विषय-वस्तु अवश्य हो जो इन नियमों के नियम 5 के उप-नियम (2) के तहत यथा परिगणित के XX प्रतिशत से कम न हो; और,

(ड.) "डब्लूओ" का अर्थ है कि माल पूरी तरह से इन नियमों के नियम 4 के तहत उत्पादित या प्राप्त होना चाहिए।

8. जब तक वहां कोई विनिर्दिष्ट वर्जन न हो, इस अनुबंध के तहत अध्याय टिप्पणियां इंगित अध्याय में सभी शीर्षकों और उप-शीर्षकों पर लागू होती हैं।

भाग 2

उत्पाद विनिर्दिष्ट नियम

टैरिफ शीर्षक	टैरिफ उप-शीर्षक	उत्पाद का विवरण	उत्पाद विनिर्दिष्ट नियम
(1)	(2)	(3)	(4)
15.07		सोयाबीन या उसके अंश, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, लेकिन रासायनिक रूप से संशोधित न हों।	
1507	1507.90	अन्य	आरवीसी (40) या सीटीएच

(1)	(2)	(3)	(4)
29.33		नाइट्रोजन हेटेरो-अणु(ओ) के साथ हेटेरोसाइक्लिक यौगिक मात्र।	
2933	2933.69	ऐसे यौगिक जिनकी संरचना में असंगतित ट्रायाज़ाइन रिंग (हाइड्रोजेनेटेड हो अथवा नहीं) हो : अन्य	आरवीसी (40) या सीटीएच
38.12		रबर के तैयार एक्सेलेरेटर्स; रबर या प्लास्टिक्स के लिए यौगिक प्लास्टिसाइजर्स, जो और कहीं विनिर्दिष्ट या शामिल नहीं हैं; रबर या प्लास्टिक्स के लिए एंटी-ऑक्सीडाइजिंग अन्य यौगिक स्थिरकारी पदार्थ।	
3812	3812.30	रबर या प्लास्टिक्स के लिए एंटी-ऑक्सीडाइजिंग अन्य यौगिक स्थिरकारी पदार्थ।	आरवीसी (40) या सीटीएच
39.24		टेबनवेयर, किचनवेयर या अन्य घरेलू वस्तुएं एवं स्वास्थ्यकारी या प्रसाधन की वस्तुएं, प्लास्टिक की	
3924	3924.90	- अन्य।	आरवीसी (40) या सीटीएच
44.01		जलावनी लकड़ी, लठ्ठों, बिलेट्स, टहनियों, गठुरों या ऐसे ही स्वरूपों में; चिप्स या चूरे के रूप में लकड़ी; बुरादा और लकड़ी के अपशिष्ट एवं कतरन, चाहे लठ्ठों, ईंटों, गोलियों या ऐसे ही स्वरूपों में संकुलित हों अथवा नहीं।	
4401	4401.10	जलावनी लकड़ी, लठ्ठों, बिलेट्स, टहनियों, गठुरों या ऐसे ही स्वरूपों में	सीटीएच
4401	4401.21	चिप्स या चूरे के रूप में लकड़ी, शंकुधारी	सीटीएच
4401	4401.22	चिप्स या चूरे के रूप में लकड़ी, गैर-शंकुधारी	सीटीएच
4401	4401.30	बुरादा और लकड़ी के अपशिष्ट एवं कतरन, चाहे लठ्ठों, ईंटों, गोलियों या ऐसे ही स्वरूपों में संकुलित हों अथवा नहीं।	सीटीएच
44.02		लकड़ी का कोयला (शेल या नट कोयले सहित), चाहे संकुलित हो अथवा नहीं।	
4402	4402.10	- बांस के	सीटीएच
44.07		लंबाई में कटी या चिरी लकड़ी, स्लाइस्ड या छिली हुई, चाहे समतल हो या नहीं, सैंडेंड या एंड-ज्वाइंटेड, जिसकी मोटाई 6	
4407	4407.10	शंकुधारी: डामर मिन्याक, पोडो, सेम्पाडलर और अन्य	सीटीएच
4407	4407.21	- - महोगनी(स्वीटेलिया एसपीपी):	सीटीएच
4407	4407.25	- - गहरी लाल मेरांटी, हल्की लाल मेरांटी और मेरांटी बकाऊ:	सीटीएच
4407	4407.26	- - सफेद लाउवन, सफेद मेरांटी, सफेद सेराया, पीली मेरांटी और ऐलान:	सीटीएच
4407	4407.29	- - अन्य: कपूर के, पैमिन एवं अन्य	सीटीएच
4407	4407.91	- - ओक के (क्वैरकस एसपीपी):	सीटीएच
4407	4407.92	- - बीच के (फैगस एसपीपी):	सीटीएच
4407	4407.99	- - अन्य: भारी कठोर लकड़ी- बलाऊ, बेलियन, बिटीस आदि	सीटीएच

(1)	(2)	(3)	(4)
44.08		सजावट के लिए शीट (लैमिनेटेड लकड़ी को काटकर बनाए गए समेत) प्लाईवुड या ऐसे ही लैमिनेटेड लकड़ी और अन्य लकड़ी के लिए, लंबाई में कटी, स्लाइस्ड या छिली हुई, चाहे समतल, सैंडेड, स्प्लाइस्ड या एंड-ज्वाइंटेड हो या नहीं, जिसकी मोटाई 6 मिमी से अधिक न हो।	
4408	4408.10	- शंकुधारी: आमख सजावटी शीट्स	सीटीएच
4408	4408.31	- - गहरी लाल मेरांटी, हल्की लाल मेरांटी और मेरांटी बकाऊ: आमख सजावटी शीट्स	सीटीएच
4408	4408.39	- - अन्य उष्णकटिबंधी लकड़ी: आमख सजावटी शीट्स	सीटीएच
4408	4408.90	- - अन्य : आमख सजावटी शीट्स	सीटीएच
44.10		लकड़ी या अन्य लिग्निनयस सामग्री के पार्टिकल बोर्ड, ओरिएंटेड स्ट्रैंड बोर्ड (ओएसबी) और ऐसे ही बोर्ड (उदाहरण के लिए, वाटर बोर्ड) चाहे रेसिन या अन्य कार्बनिक बंधकारी पदार्थों से संकुलित हों अथवा	
4410	4410.11	- - लकड़ी के: पार्टिकल बोर्ड	सीटीएच
4410	4410.12	- - लकड़ी के: ओरिएंटेड स्ट्रैंड बोर्ड (ओएसबी)	सीटीएच
4410	4410.90	- अन्य	सीटीएच
44.11		लकड़ी या अन्य लिग्निनयस सामग्री के फायर बोर्ड, चाहे रेसिन या अन्य कार्बनिक पदार्थों से बांडेड हों अथवा नहीं।	
4411	4411.12	- - मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड (एमडीएफ): जिसकी मोटाई 5 मिमी से अधिक न हो	सीटीएच
4411	4411.13	- - मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड (एमडीएफ): जिसकी मोटाई 5 मिमी हो लेकिन 9 मिमी से अधिक न हो	सीटीएच
4411	4411.14	- - मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड (एमडीएफ): जिसकी मोटाई 9 मिमी से अधिक हो	सीटीएच
4411	4411.92	- - अन्य: जिसका घनत्व 0.8 g/cm ³ से अधिक हो	सीटीएच
4411	4411.94	- - अन्य: जिसका घनत्व 0.5 g/cm ³ से अधिक न हो	सीटीएच
44.12		प्लाईवुड, सजावटी पैनल्स और ऐसी ही लैमिनेटेड लकड़ी।	
4412	4412.10	- बांस के	आरवीसी (35)
4412	4412.31	- - अन्य प्लाईवुड जो केवल लकड़ी के बने हों (बांस को छोड़कर) प्रत्येक प्लाई की मोटाई 6 मिमी से अधिक न हो: जिसमें से कम से कम एक बाहरी प्लाई इस अध्याय के उप-शीर्ष की टिप्पणी 1 में	आरवीसी (40) या सीटीएसएच
4412	4412.32	- - अन्य प्लाईवुड जो केवल लकड़ी के बने हों (बांस को छोड़कर) प्रत्येक प्लाई की मोटाई 6 मिमी से अधिक न हो: जिसमें से कम से कम एक बाहरी प्लाई गैर-शंकुधारी लकड़ी की हो	आरवीसी (40) या सीटीएसएच
4412	4412.39	- - अन्य प्लाईवुड जो केवल लकड़ी के बने हों (बांस को छोड़कर), प्रत्येक प्लाई की मोटाई 6 मिमी से अधिक न हो: अन्य	आरवीसी (40) या
4412	4412.99	- - अन्य: गैर-शंकुधारी लकड़ी की कम से कम एक बाहरी प्लाई युक्त	आरवीसी (35)

(1)	(2)	(3)	(4)
44.20		जड़ाऊ लकड़ी तथा जड़ित लकड़ी; ज्वेलरी या कटलरी और ऐसी ही वस्तुओं के लिए कैस्केट्स और केसेज, लकड़ीके, मूर्तियां तथा अन्य अलंकार, लकड़ी के; फर्नीचर की लकड़ी की वस्तुएं जो अध्याय 94 में	
4420	4420.10	- मूर्तियां एवं अन्य गहने, लकड़ी के; समिरनी, लकड़ी की	सीटीएच
4420	4420.90	- अन्य: लकड़ी के जड़ाऊ काम तथा जड़ित लकड़ी:	सीटीएच
70.13		ऐसे ग्लासवेयर जिनका प्रयोग टेबल, किचेन, शौचालय, कार्यालय, आंतरिक सज्जा या ऐसे ही प्रयोजनों के लिए किया जाता है (70.10 या 70.18 में दिए गए से इतर)।	
7013	7013.49	ऐसे ग्लासवेयर जिनका प्रयोग टेबल (ड्रिंकिंग ग्लासेज से इतर) या किचेन, के प्रयोजनों से किया जाता है, ग्लास सिरेमिक्स को छोड़कर;	आरवीसी (40) या सीटीएच
73.05		अन्य ट्यूब्स और पाइप्स (उदाहरण के लिए वेल्डेड, रिक्वेटेड या इसी प्रकार से बंद), जिसमें वृत्ताकार क्रॉस-सेक्संस हों, जिसका बाहरी व्यास 406.4 मिमी से अधिक हो, लोहे या इस्पात की।	
7305	7305.11	- - तेल या गैस पाइपलाइन के लिए प्रयुक्त एक प्रकार की लाइन पाइप : लंबवत रूप से जलमग्न आर्क वेल्डेड	आरवीसी (40) या सीसी 7208 से 7211 तक को छोड़कर
7413	7413.00	तांबे के स्ट्रैंडेड तार, केबल, प्लेटेड बैंड्स और ऐसी ही चीजें, जो विद्युतीय रूप से इंसुलेटेड न हों।	आरवीसी (40) या सीटीएच
74.18		टेबन, किचेन या अन्य घरेलू वस्तुएं या उनके पुर्जे, तांबे के, पॉट स्कौरर्स एवं स्कौरिंग या पॉलिशिंग पैड्स, ग्लव्स और ऐसी ही वस्तुएं, तांबे के, सैनिटरी वेयर और उनके पुर्जे, तांबे की।	
7418	7418.19	- - टेबन, किचेन या अन्य घरेलू वस्तुएं या उसके पुर्जे, पॉट स्कौरर्स एवं स्कौरिंग या पॉलिशिंग पैड्स, ग्लव्स	आरवीसी (40) या सीटीएच
76.04		अल्युमिनियम की छड़ें, रॉड और प्रोफाइल्स।	
7604	7604.10	- अल्युमिनियम के, मिश्रित नहीं	आरवीसी (40) या सीटीएच
82.07		हैंड टूल्स के लिए, चाहे विद्युत-चालित हो या नहीं, या मशीन टूल्स (उदाहरण के लिए प्रेशिंग, स्टैंपिंग, पंचिंग, टैपिंग, थ्रेडिंग, ड्रिलिंग, बोरिंग, ब्रोचिंग, मिलिंग, टर्निंग या स्क्रू ड्राइविंग के लिए) के लिए अंतः-परिवर्तनीय उपकरण जिसमें ड्राइंग या धातु की एक्सट्रूडिंग के लिए डाई, तथा रॉक ड्रिलिंग या अर्थ बोरिंग के उपकरण शामिल हैं।	
8207	8207.20	- ड्राइंग या धातु की एक्सट्रूडिंग के लिए डाई	आरवीसी (40) या सीटीएच

अनुबंध-II

(नियम 5 देखें)

एफओबी मूल्य की गणना का तरीका

1. एफओबी मूल्य की गणना इस प्रकार की जाएगी :

(क) एफओबी मूल्य $\text{अन् + कारखाना पूर्व कीमत} = \text{य लागतें}$

(ख) अन्य लागतें एफओबी मूल्य की गणना का संदर्भ, नौप्रेषण के लिए माल को पोत में लादने से हैं, इसमें घरेलू परिवहन लागतें, भंडारण एवं वेयरहाउसिंग, पोर्ट हैंडलिंग, दलाली शुल्क, सेवा प्रभार इत्यादि शामिल हैं, किंतु यह यहीं तक सीमित नहीं है।

2. कारखाना पूर्व कीमत का सूत्र :

(क) कारखाना पूर्व कीमत $\text{उत्} = \text{पादन लागत लाभ} +$

(ख) उत्पादन लागत का सूत्र,

(i) $\text{उत्पादन लागत} = \text{कच्चे माल की लागत ऊपरी लागत + श्रम लागत} +$

(ii) कच्चे माल की लागतों में निम्नलिखित शामिल होते हैं :

(क) कच्चे माल की लागत

(ख) भाड़ा एवं बीमा

(iii) श्रम लागत में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(क) मजदूरी

(ख) पारिश्रमिक

(ग) विनिर्माण प्रक्रिया से जुड़े अन्य कर्मचारी हितलाभ

(iv) ऊपरी लागतों, (गैरव्यापक सूचीमें निम्नलिखित शामिल होंगे, किंतु यह यहीं तक सीमित नहीं है:

(क) वास्तविक संपत्ति उत्पादन प्रक्रिया बीमा), कारखाना किराया और पट्टा, भवनों पर मूल्यहास, मरम्मत और रखरखाव, कर, बंधक पर ब्याजसे जुड़े मद (

(ख) संयंत्र और उपकरणों के लिए की पट्टे पर देना और ब्याज भुगतान

(ग) कारखाना सुरक्षा

(घ) बीमा माल के निर्माण में प्रयुक्त संयंत्र, उपकरण और सामग्री

(.ड) उपयोगिताएं ऊर्जा), बिजली, पानी और अन्य सुविधाएं जिनका माल के उत्पादन से सीधा संबंध है(

(च) अनुसंधान, विकास, डिजाइन और इंजीनियरिंग

(छ) रंग, सांचे, टूलींग और मूल्यहास, रखरखाव और संयंत्र तथा उपकरणों की मरम्मत

(ज) रॉयल्टी या लाइसेंस पेटेंट मशीनों या प्रक्रियाओं के संबंध में जिनका प्रयोग) मालके विनिर्माण या माल के विनिर्माण के अधिकार के लिए होता है (

(झ) सामग्री और माल का निरीक्षण और परीक्षण

(ञ) कारखाने में भंडारण और प्रहस्तन

(ट) पुनर्प्रयोज्य व्यर्थ सामग्री का निस्तारण

(ठ) कच्चे माल की मूल्य गणना में लागत के तत्व, यानी शुल्केय घटकों के आयात के लिए प्रदत्त बंदरगाह और निकासी शुल्क।

अनुबंध-III

(नियम 14 देखें)

समझौते के तहत तरजीही टैरिफ व्यवहार और तैयार माल की उत्पत्ति के प्रमाणपत्र के दावे के संबंध में प्रक्रिया

1. जारीकर्ता प्राधिकरण.- (1) उत्पत्ति का प्रमाणपत्र नियमावली के अनुबंध-IV में यथा निर्धारित निर्यातक पक्षकार की सरकार द्वारा प्राधिकृत प्राधिकरणों द्वारा जारी किया जाएगा जिनका व्यक्तिगत रूप से "जारीकर्ता प्राधिकरण" तथा सामूहिक रूप से "जारीकर्ता प्राधिकरणों" के रूप में उल्लेख किया जाएगा।

(2) प्रत्येक पक्षकार दूसरे पक्षकार को वितरण के लिए अपने संबंधित जारीकर्ता प्राधिकरण के प्राधिकृत अधिकारियों का नमूना हस्ताक्षर तथा उनके द्वारा प्रयुक्त सरकारी मुहरों के मूल सेट प्रदान करेगा, जिसमें उनके नाम और पते शामिल होंगे तथा नामों, पतों, नमूना हस्ताक्षरों अथवा सरकारी मुहरों में बाद में हुए किसी परिवर्तन की जानकारी तुरंत दूसरे पक्षकार को उसी तरीके से दी जाएगी।

(3) उत्पत्ति की हैसियत के निर्धारण के प्रयोजन से, जारीकर्ता प्राधिकरण को किसी सहायक दस्तावेजी साक्ष्य के लिए अनुरोध करने या उपयुक्त समझी जाने वाली कोई भी जांच करने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.- उपनियम (1) के प्रयोजनों के लिए, भारत से वस्तुओं के निर्यात के प्रयोजनों से जारी करने वाले प्राधिकरण को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा नामित किया जाएगा।

2. उत्पत्ति के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन.- (1) इन नियमों के अंतर्गत तरजीही टैरिफ व्यवहार के मानदंड को पूरा करने वाले माल के निर्यातक अथवा उत्पादक लिखित रूप से संबंधित जारीकर्ता प्राधिकरण को माल के उत्पत्ति की निर्यात पूर्व जांच के लिए आवेदन करेगा और ऐसी जांच के परिणाम को, समय समय पर अथवा जब भी उपयुक्त हो समीक्षा के अधीन, उसके बाद निर्यात किए जाने वाले उक्त माल के उत्पत्ति की जांच करने में सहायक साक्ष्य के तौर पर स्वीकार किया जाएगा।

बशर्ते, निर्यात पूर्व जांच ऐसे माल के लिए लागू नहीं होगी जिनके उत्पत्ति की जांच आसानी से उनकी प्रकृति से की जा सकती है।

(2) तरजीही टैरिफ व्यवहार के अंतर्गत माल के निर्यात के लिए औपरचारिकताओं को पूरी करने के समय, निर्यातक या उत्पादक अथवा उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि ऐसे उपयुक्त सहायक दस्तावेजों, जो साबित करे कि निर्यात किए जाने वाले माल उत्पत्ति के प्रमाणपत्र जारी करने हेतु उपयुक्त हैं, सहित उत्पत्ति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए लिखित में आवेदन करेगा।

3. निर्यात पूर्व जांच.- (1) जारीकर्ता प्राधिकारी, जहां तक उसकी क्षमता एवं योग्यता है, उत्पत्ति के प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक आवेदन की उचित जांच करेगा, जिसमें वह सुनिश्चित करेगा, नामशः-

(क) आवेदनपत्र तथा उत्पत्ति का प्रमाणपत्र निर्यातक या उत्पादक या प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा विधिवत रूप से पूर्ण एवं हस्ताक्षरित है ;

(ख) माल का उद्गम इस समझौते के अध्याय 3 (उत्पत्ति के नियम) के अनुसार है;

(ग) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र के अन्य विवरण प्रस्तुत किए गए सहायक दस्तावेजी साक्ष्य के अनुरूप हैं;

(घ) यथा विनिर्दिष्ट माल का विवरण, मात्रा, भार तथा पैकेजों के चिन्ह और संख्या निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के अनुरूप हैं; और,

(ङ.) एकल बीजक पर घोषित बहुत सी मदें और एकल उत्पत्ति का प्रमाणपत्र स्वीकार्य होगा; बशर्ते इन नियमों के अनुरूप प्रत्येक मद अपने अधिकार में अलग से उत्पत्ति के माल के रूप में अर्हता प्राप्त करे।

4. उत्पत्ति के प्रमाणपत्र का प्रारूप.- (1) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र को एक आईएसओ आकार के कागज पर, या किसी किसी अन्य माध्यम पर इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप सहित, मुद्रित किया जाएगा और अंग्रेजी में भरा जाएगा जो उसमें निहित और अनुबंध-IV में यथा निर्धारित नमूना और अनुदेशों के अनुरूप होंगे।

(2) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र पर न तो मिटाने की न उपरिलेखन की अनुमति दी जाएगी और कोई भी परिवर्तन, गलती को काटकर और कोई आवश्यक अधिजोड़ करके किया जाएगा:

बशर्ते कि इस तरह के परिवर्तनों को उत्पत्ति के प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर के लिए अधिकृत प्रासंगिक निर्गत प्राधिकरण की द्वारा अनुमोदित और प्रमाणित किया जाएगा

बशर्ते कि किसी भी अप्रयुक्त को काट दिया जाएगा जिससे बाद में कोई अधिजोड़ न किया जा सके।

(3) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र में एक मूल प्रतिलिपि और एक नकल होगी तथा प्रत्येक उत्पत्ति के प्रमाणपत्र पर एक संदर्भ संख्या होगी जिसे प्रत्येक जारीकर्ता स्थान या कार्यालय द्वारा अलग-अलग दिया जाएगा।

5. उत्पत्ति के प्रमाणपत्र का जारी किया जाना.- (1) उत्पत्ति का प्रमाणपत्र, निर्यात करने के समय या लदान की तारीख से तीन कार्य दिवसों के भीतर, जब निर्यात किया जाने वाला माल इन नियमों के नियम 2 के अर्थों में उस पक्षकार में उद्भव माना जा सके, निर्यातक पक्षकार के संगत जारीकर्ता प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाएगा।

बशर्ते कि जहाँ उत्पत्ति के एक प्रमाणपत्र निर्यात करने के समय या अनैच्छिक त्रुटियों या चूक या अन्य वैध कारणों की वजह से लदान की तारीख से तीन कार्य दिवसों के अंदर नहीं किया गया जारी किया है, उत्पत्ति के प्रमाणपत्र पूर्वव्यापी प्रभाव से जारी किया जा सकता है, लेकिन लदान की तारीख से नौ महीने के बाद में नहीं।

(2) निर्यातक पक्षकार का जारीकर्ता प्राधिकारी उत्पत्ति के प्रमाणपत्र के 8 बॉक्स में मानदंड का उल्लेख करेगा जिसके तहत वह माल उत्पत्ति के रूप में अर्हता प्राप्त करता है।

(3) जारीकर्ता प्राधिकारी, नकल प्रतिलिपि को अपने पास रखेगा और मूल प्रति निर्यातक को प्रदान करेगा, जो इसे या आयात के स्थान या बंदरगाह पर सीमा शुल्क अधिकारी को प्रस्तुत करने के लिए आयातक को अग्रेषित करेगा।

(4) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की चोरी, हानि या विनाश की दशा में, निर्यातक या निर्माता या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि, इसे जारी वाले निर्गत प्राधिकरण को अपने अधिकार के निर्यात दस्तावेजों के आधार पर मूल की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि के लिए लिखित रूप में आवेदन कर सकता है और इस प्रकार जारी की नकल में बॉक्स 12 में "प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि" और उत्पत्ति के मूल प्रमाणपत्र की तारीख लिखी रहेगी:

बशर्ते कि उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि, उत्पत्ति के मूल प्रमाणपत्र की वैधता अवधि के भीतर जारी किया जाएगा।

6. उत्पत्ति के प्रमाणपत्र का प्रस्तुत किया जाना.- (1) उत्पत्ति का मूल प्रमाणपत्र संबंधित वस्तुओं के लिए आयात घोषणापत्र दाखिल करने के समय आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) जिन मामलों में मूल प्रमाणपत्र आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाता है, सीमा शुल्क प्राधिकरण आयातित माल पर अधिमान्य टैरिफ उपचार इनकार कर सकता है और मूल के प्रमाण पत्र के बॉक्स संख्या ४ में तदनुसार चिन्ह अंकित करेगा और मूल उत्पत्ति प्रमाण पत्र को जारीकर्ता प्राधिकरण को इनकार करने के कारणों की अधिसूचना देते हुए, एक उचित अवधि में, परन्तु हर हालत में आयात घोषणापत्र दाखिल करने की तारीख से दो महीने के भीतर लौटा देगा।

(3) आयात पार्टी के सीमा शुल्क प्राधिकारी से, उप अनुच्छेद (2) में वर्णित, अधिसूचना प्राप्त होने पर, संबंधित जारीकर्ता प्राधिकारी ऐसी अधिसूचना की प्राप्ति से दो महीने के भीतर उन कारणों का निवारण करते हुए विस्तृत स्पष्टीकरण भेजेगा और स्पष्टीकरण प्राप्त होने पर आयातक पक्षकार का सीमा शुल्क प्राधिकारी संतुष्ट होने पर तरजीही टैरिफ व्यवहार बहाल करेगा।

(4) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता या शुद्धता पर उचित संदेह के मामले में, आयातक पक्षकार का सीमा शुल्क प्राधिकारी आयातित माल पर तरजीही टैरिफ व्यवहार के प्रावधान को निरस्त कर सकता है और निर्यातक पक्षकार के निर्गत प्राधिकरण को इस समझौते के तहत तरजीही टैरिफ व्यवहार देने से पहले एक पूर्वव्यापी जांच संचालित करने का अनुरोध कर सकता है।

(5) आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी, उपरोक्त उप अनुच्छेद (4) के अनुसार पूर्वव्यापी जांच का अनुरोध करने से पहले किसी आयातक से अपने घरेलू कानूनों और नियमों के अनुसार आयातित माल की उत्पत्ति के संबंध में जानकारी या दस्तावेजों का अनुरोध कर सकते हैं।

(6) आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी (2) उप पैराग्राफ के तहत तरजीही टैरिफ व्यवहार से इंकार किए जाने या उप अनुच्छेद (3) के अधीन निलंबित किए जाने के मामले में, आयातक को किसी आवश्यक समझे जाने वाले प्रशासनिक उपायों के अधीन माल की रिहाई करेंगे:

बशर्ते कि वह माल जारी नहीं किया जाएगा अगर वे आयात निषेध अथवा प्रतिबंध के कारण रोके गए हैं और वहाँ धोखाधड़ी का कोई संदेह नहीं है।

7. उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की वैधता.- (1) उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की वैधता इसके जारी करने की तारीख से बारह महीने रहेगी और उत्पत्ति का प्रमाणपत्र इसकी वैधता अवधि के भीतर आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) जब उत्पत्ति का प्रमाणपत्र आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क अधिकारी को इसकी वैधता अवधि की समाप्ति के बाद प्रस्तुत किया जाता है, तो उत्पत्ति के ऐसे प्रमाणपत्र तब भी स्वीकार किए जाएंगे जब समय सीमा के अनुपालन की असफलता अतिप्राकृतिक शक्तियों या अन्य वैध कारणों से है, जो आयातक के नियंत्रण से परे हैं:

बशर्ते सभी मामलों में, आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी उत्पत्ति के ऐसे प्रमाणपत्र स्वीकार कर सकते हैं, बशर्ते माल का आयात कथित उत्पत्ति प्रमाणपत्र की वैधता अवधि की समाप्ति से पहले किया गया है।

8. उत्पत्ति के प्रमाणपत्र में विसंगतियाँ.- (1) जब माल की उत्पत्ति संदिग्ध न हो, तो उत्पत्ति के प्रमाणपत्र में दिए गए विवरण और माल का आयात करने के लिए औपचारिकताएं पूरी करने के उद्देश्य से आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क अधिकारी को प्रस्तुत दस्तावेजों के बीच मामूली विसंगतियाँ उत्पत्ति के प्रमाणपत्र को स्वतः तथ्य अमान्य नहीं करेंगी, यदि वास्तव में वह माल के अनुरूप हो।

(2) उत्पत्ति के एक ही प्रमाणपत्र के अधीन घोषित एकाधिक माल के मामले में, यदि किसी एक सूचीबद्ध माल के मामले में समस्या होती है तो यह उत्पत्ति के प्रमाणपत्र में सूचीबद्ध शेष माल समान को तरजीही टैरिफ व्यवहार देने पर प्रभाव नहीं पड़ेगा या सीमा शुल्क निकासी विलंबित नहीं होगी।

9. उत्पत्ति का सत्यापन.- (1) आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी, निर्यात पक्षकार के निर्गत प्राधिकारी से यादृच्छिक रूप से या उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता या प्रश्नाधीन माल या उसके कतिपय भाग की वास्तविक उत्पत्ति के बारे में सूचना की परिशुद्धता पर उचित संदेह होने पर एक पूर्वव्यापी जांच करने का अनुरोध कर सकते हैं।

(2) जब तक पूर्वव्यापी जांच यादृच्छिक आधार पर करने का अनुरोध न किया गया हो, पूर्वव्यापी जांच करने के अनुरोध के साथ संगत उत्पत्ति का प्रमाणपत्र होगा और उसमें वे कारण और अतिरिक्त सूचनाएं दी जाएंगी जिससे पता चलता हो कि उत्पत्ति के प्रमाणपत्र में दिए गए ब्योरे गलत हो सकते हैं।

(3) निर्यातक पक्षकार के जारीकर्ता प्राधिकारी, ऐसे अनुरोध प्राप्त होने पर, मौजूदा लागत और कीमतों के आधार पर निर्यातक या निर्माता के लागत विवरण पर एक पूर्वव्यापी जांच संचालित करेगा तथा अनुरोध प्राप्ति की तिथि के तीन महीने के भीतर आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारी को एक जवाब भेजेगा।

(4) पूर्वव्यापी जाँच, वास्तविक प्रक्रिया और क्या विषयगत माला उद्भव है या नहीं के निर्धारण सहित पूरी की जानी चाहिए, और उसका परिणाम उत्पत्ति के प्रमाणपत्र की प्रस्तुति की तारीख से छह महीने के भीतर आयातक पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकरण को संसूचित किया जाना चाहिए।

10. सत्यापन दौरा.- (1) यदि आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी पूर्व व्यापी निरीक्षण के परिणाम से संतुष्ट नहीं है तो यह आपवादिक परिस्थितियों के अंतर्गत सत्यापन दौरा कर सकता है और इस उद्देश्य के लिए यह अपना लिखित अधिसूचना दे सकता है कि वह निर्यातकर्ता पक्षकार के भू-क्षेत्र में निर्यातक या उत्पादक के परिसर का सत्यापन दौरा करने वाला है।

(2) उपर्युक्त उप पैराग्राफ (1) में उल्लिखित इस लिखित अधिसूचना आयातकर्ता

और उत्पादक या निर्यातकर्ता को साथ-साथ दी जायेगी जिसके परिसर का दौरा किया जाना है और साथ ही निम्नलिखित प्राधिकारियों को भी यह अधिसूचना दी जायेगी, यथा :-

(क) निर्यात करने वाले पक्षकार का जारी कर्ता प्राधिकारी; और,

(ख) निर्यातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी या अन्य कोई उचित प्राधिकारी

(3) उपर्युक्त उप पैराग्राफ (1) में उल्लिखित लिखित अधिसूचना यथा संभव विस्तृत होगी और उसमें निम्नलिखित बातों का समावेश होगा, यथा :-

(क) उस उत्पादक या निर्यातक का नाम जिसके परिसर का दौरा किया जाना है ।

(ख) सत्यापन दौरे की प्रस्तावित तारीख

(ग) प्रस्तावित दौरे का क्षेत्र, विस्तार और उद्देश्य

(घ) सत्यापन दौरा करने वाले अधिकारी का नाम और पदनाम

(4) आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी सत्यापन दौरा तभी करेगा जब उसे उस उत्पादक या निर्यातक की लिखित सहमति प्राप्त हो जाती है जिसके परिसर का दौरा किया जाना है:

बशर्ते कि, जब लिखित अधिसूचना की प्राप्ति की तारीख के तीस दिन के भीतर उत्पादक या निर्यातकर्ता को लिखित सहमति प्राप्त नहीं हो जाती है, आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी उक्त उद्भव प्रमाण पत्र में उस संदर्भित माल को वरीयता टैरिफ संव्यवहार से इंकार कर सकता है जिसका कि सत्यापन दौरा किया जाना था ।

बशर्ते और भी कि निर्यात करने वाले पक्षकार का जारीकर्ता प्राधिकारी सत्यापन दौरे को स्थगित कर सकता है और अधिसूचना की प्राप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर आयातकर्ता पक्षकार के सीमाशुल्क प्राधिकारी को अपने इस आशय से सूचित कर सकता है ।

बशर्ते और भी किसी भी स्थगन के बावजूद, सत्यापन दौरा लिखित अधिसूचना की

प्राप्ति की तारीख से 60 दिन के भीतर या ऐसी बढ़ी अवधि के बीच जिस पर पक्षकार सहमत हों, पूरा ही जाना चाहिए ।

(5) सत्यापन दौरे के पश्चात, जब सत्यापन दौरे के लिये सहमति प्राप्त नहीं होती है, आयातकर्ता का सीमाशुल्क प्राधिकारी संबंधित उत्पादक या निर्यातकर्ता को या निर्यात करने वाले पक्षकार के जारीकर्ता प्राधिकारी को अपने लिखित दृढ़ निश्चय से अवगत करायेगा कि क्या विषयगत माल उद्भूत माल की अर्हता पूरी करता है अथवा नहीं और कोई स्थगित वरीयतापरक संव्यवहार इस निर्णय के आधार पर बहाल किया जा सकता है कि उक्त माल इन नियमों के अंतर्गत उद्भूत माल की अर्हता को पूरा करता है ।

(6) संबंधित उत्पादक या निर्यातकर्ता की अनुमति होगी कि वह लिखित निश्चय की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर वरीयता परक टैरिफ संव्यवहार के लिये माल की अर्हता के बारे में अपनी टिप्पणी या अतिरिक्त सूचना को लिखित रूप में दे सकता है । यदि उत्पादक या निर्यातकर्ता की टिप्पणी प्राप्त होने पर आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी अपनी यह राय कायम रखता है कि माल उद्भूत प्रकृति का नहीं है तो वह उत्पादक या निर्यातकर्ता और आयातकर्ता की टिप्पणी या अतिरिक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से 30 दिन के भीतर जारीकर्ता प्राधिकारी को अपने अंतिम दृढ़ निश्चय से लिखित रूप में अवगत करा देगा ।

(7) सत्यापन दौरे की प्रक्रिया, जिसमें वास्तविक दौरा तथा यह निर्णय शामिल है कि विषयगत माल उद्भूत प्रकृति का है या नहीं, पूरी की जायेगी और इसके परिणामों से, सत्यापन दौरे के पूरा होने की तारीख से अधिकतम 6 माह की अवधि के भीतर जारीकर्ता प्राधिकारी को अवगत करा दिया जायेगा ।

11. कागजातों के रखरखाव की आवश्यकता.- (1) उद्भव प्रमाण पत्र के लिए आवेदन और ऐसे आवेदन से संबंधित सभी दस्तावेजों को जारीकर्ता प्राधिकारी इसके जारी करने की तारीख से कम से कम पांच वर्ष तक के लिए अपने पास रखेगा ।

(2) आयातकर्ता पक्षकार के सीमाशुल्क प्राधिकारी के अनुरोध पर जारीकर्ता प्राधिकारी उद्भव प्रमाण पत्र की वैधता से संबंधित जानकारी प्रदान करेगा ।

(3) उद्भव प्रमाण पत्र और सभी सुसंगत दस्तावेजों की एक प्रति आयातकर्ता,

निर्यातक या उत्पादक इसके जारी होने की तिथि से कम से कम 5 वर्ष तक के लिए तात्कालिक संदर्भ हेतु किसी भी रूप में जैसा कि डिजिटल, इलेक्ट्रानिक, ऑप्टिकल, मैग्नेटिक या हार्ड कापी के रूप में अपने पास रख सकता है।

(4) आयातकर्ता, निर्यातकर्ता और उत्पादक दस्तावेजों को सुसंगत सीमाशुल्क प्राधिकारी या सुसंगत जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए उपलब्ध करायेगा और उसके निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा।

12. माल के गंतव्य स्थान में परिवर्तन.- (1) जब आयातकर्ता पक्षकार के किसी विशिष्ट पत्तन को निर्यात किये जाने वाले माल के सम्पूर्ण या आंशिक भाग का गंतव्य स्थान बदल जाता है तो आयातकर्ता पक्षकार के पास माल के पहुंचाने के पहले-पहले निर्यातकर्ता या उत्पादक निर्यातकर्ता पक्षकार के जारीकर्ता प्राधिकारी के पास ऐसे आंशिक या सम्पूर्ण माल के नये उद्भव प्रमाण पत्र को जारी करने के लिए लिखित रूप में आवेदन करेगा और इसके साथ जारी जारी किया हुआ उद्भव प्रमाण पत्र भी संलग्न करेगा।

(2) जब आयातकर्ता पक्षकार के किसी विशिष्ट पत्तन को निर्यात किये जाने वाले माल के सम्पूर्ण या आंशिक भाग का गंतव्य स्थान बदल जाता है तो आयातकर्ता पक्षकार के पास उनके पहुंचने के पश्चात्, आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी, आयातकर्ता के लिखित आवेदन के आधार पर, माल के सम्पूर्ण या आंशिक भाग के उद्भव प्रमाण पत्र को इस निमित्त पृष्ठांकित करेगा और मूल प्रमाणपत्र आयातकर्ता को वापस कर देगा।

13. सीधी खेप के मामले में दस्तावेजीकरण.- आयातित माल पर वरीयतापरक टैरिफ संव्यवहार प्राप्त करने के लिए, जब उक्त माल का परिवहन इस नियमावली के नियम 9 के उपवाक्य (ख) की दृष्टि से एक या एक से अधिक गैर पक्षकार के भू क्षेत्र से होकर किया जा रहा हो, आयातकर्ता पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा :-

(क) निर्यातकर्ता पक्षकार के यहां जारी हुआ आगम पत्र

(ख) निर्यातकर्ता पक्षकार के सुसंगत जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी किया हुआ उद्भव प्रमाण पत्र

(ग) माल संबंधी मूल वाणिज्यिक बीजक की एक प्रति

(घ) ऐसा कोई अन्य दस्तावेज जिससे यह प्रमाणित हो कि इस नियमावली के नियम 8 के उपवाक्य (ख) की सभी अपेक्षाओं को पूरा किया गया है ।

14. प्रदर्शनी आदि के मामले में वरीयतापरक संव्यवहार.- (1) माल जो प्रदर्शनी के लिए एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को भेजा गया हो और प्रदर्शनी के बाद दूसरे पक्षकार के यहां बेचा गया हो, को इस करार के अंतर्गत वरीयतापरक टैरिफ संव्यवहार का लाभ मिलेगा बशर्ते कि ऐसा माल इन नियमों के अंतर्गत मूल संबंधी आवश्यकता को पूरा करता हो ;

बशर्ते कि आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि -

(क) निर्यातकर्ता ने उक्त माल को निर्यातकर्ता पक्षकार के भू क्षेत्र से आयातकर्ता पक्षकार के भू क्षेत्र में भेजा है जहां कि प्रदर्शनी आयोजित हुई है और उस माल का वहां प्रदर्शन किया गया है;

(ख) निर्यातकर्ता ने माल को आयातकर्ता पक्षकार के यहां के खेप प्राप्तकर्ता को बेचा है या अंतरित किया है; और,

(ग) माल की खेप प्रदर्शनी के दौरान या उसके तत्काल बाद उस राज्य में भेजी गई हो जहां कि उसे प्रदर्शनी के लिए भेजा गया था।

(2) उक्त पैराग्राफ (1) ऐसी किसी भी प्रदर्शनी, मेला या इसी प्रकार के प्रदर्शन पर लागू होगा जहां कि माल ऐसी घटना के दौरान सीमाशुल्क के नियंत्रण में रहता है ।

15. बीजक जारी करने वाला तीसरा पक्षकार.- आयातकर्ता पक्षकार का सीमाशुल्क प्राधिकारी उद्धृत माल के उद्धव प्रमाणपत्र को वहां स्वीकार करेगा जहां कि विक्रय बीजक किसी ऐसे व्यापारी निकाय द्वारा जारी किया गया हो जो गैर पक्षकार के यहां अवस्थित हो या ऐसे किसी निर्यातक द्वारा उक्त व्यापारिक निकाय के लिए जारी किया गया हो, बशर्ते कि ऐसा माल इन नियमों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो ।

16. धोखाधड़ी के मामलों के खिलाफ कार्रवाई.- जहां इस बात का संदेह हो कि उद्धव प्रमाणपत्र से संबंधित कोई धोखाधड़ी का काम हुआ है तो पक्षकार ऐसे कार्य में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित पक्षकार के भू क्षेत्र में की जा रही कार्रवाई में सहयोग देंगे।

अनुबंध-IV
(नियम 14 देखिये)
मूल/प्रतिलिपि

<p>1. माल, जहां से इसकी खेप भेजी गई है (निर्यातक के व्यापार का नाम, पता, देश। यदि तीसरा पक्षकार बीजक भेज रहा हो तो बीजक जारी करने वाले व्यापारिक निकाय का नाम और देश)</p> <p>2. जिसको माल की खेप भेजी गई है (खेप प्राप्त करने वाले का नाम, पता और देश)</p>	<p style="text-align: center;">संदर्भ सं०</p> <p style="text-align: center;">भारत-मलेशिया वृहद आर्थिक सहयोग करार</p> <p style="text-align: center;">उद्भव संबंधी वरीयतापरक टैरिफ संव्यवहार प्रमाणपत्र</p> <p style="text-align: center;">(संयुक्त उद्घोषणा और प्रमाणपत्र)</p> <p style="text-align: center;">आईएमसीईसीए से -----में जारी</p> <p style="text-align: center;">(देश) अगले पृष्ठ पर लिखे नोट देखिये।</p>
<p>3. परिवहन का साधन और मार्ग (जहां तक पता हो)</p> <p>प्रस्थान की तारीख</p> <p>प्रस्थान की तारीख/हवाई जहाज आदि का नाम</p> <p>पोर्ट ऑफ डिस्चार्ज</p>	<p>4. कार्यालय प्रयोग के लिए</p> <p style="text-align: center;">वरीयता टैरिफ संबंधी</p> <p><input type="checkbox"/> भारत मलेशिया वृहद आर्थिक सहयोग करार के अंतर्गत दिया गया वरीयता संव्यवहार</p> <p><input type="checkbox"/> न दिया गया वरीयता संव्यवहार (कृपया इसके कारण बताएं)</p> <p style="text-align: center;">आयातकर्ता देश के प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर</p>
<p>5. मद सं०</p> <p>6. पैकेजों पर लिखे चिन्ह और संख्या</p> <p>7. पैकेजों की संख्या और प्रकार, माल का विवरण (मात्रा सहित जहां आयातकर्ता देश की उचित और एचएस संख्या)</p>	<p>8. उद्भव संबंधी मानदंड (अगले पृष्ठ पर लिखे नोट देखें)</p> <p>9. सकल भार या अन्य मात्रा और मूल्य (एफओबी)</p> <p>10. बीजकों की संख्या और तारीख</p>
<p>11. निर्यातक द्वारा उद्घोषणा</p> <p>अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद्वारा घोषणा करता है कि उपर्युक्त ब्यौरा और विवरण सही हैं, की सभी माल (देश) में उत्पादित किए गए हैं और ये (आयातकर्ता देश) को निर्यात किए जाने माल के संबंध में भारत-मलेशिया वृहद आर्थिक सहयोग करार में इन माल के लिए विनिर्दिष्ट उद्भव संबंधी सभी अपेक्षाओं की पूर्ति करते हैं</p> <p>स्थान और तारीख</p> <p>प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर</p>	<p>12. प्रमाणीकरण</p> <p>एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि, की गई जांच के आधार पर, निर्यातक की उद्घोषणा सही है।</p> <p style="text-align: center;">स्थान तथा तारीख</p> <p style="text-align: center;">जारीकर्ता प्राधिकारी का हस्ताक्षर और मुहर</p>
<p>13. जो सुसंगत हो उस पर सही का निशान लगाएं</p> <p style="text-align: center;">तीसरे पक्षकार द्वारा बीजक जारी करना प्रदर्शनी मूलतः प्रभाव से जारी संचयन</p>	

ओवरलीफ नोट्स

1. पक्षकार जो भारत-मलेशिया वृहद आर्थिक सहयोग करार (आईएमसीईसीए) के अंतर्गत वरीयता परक टैरिफ संव्यवहार के लिए इस फार्म को स्वीकार करते हैं, हैं:

भारत

मलेशिया

2. शर्तें: आईएमसीईसीए के अंतर्गत वरीयता परक संव्यवहार का लाभ प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उपर्युक्त सूची में उल्लिखित पक्षकारों को भेजा गया माल:

(क) गंतव्य देश में वरीयता परक टैरिफ संव्यवहार के लिए पात्र माल के अनुरूप होना चाहिए;

(ख) इस नियमावली के नियम 8 के अनुसार खेप संबंधी शर्तों को पूरा करता हो; और,

(ग) इस नियमावली में दिये गये उद्भव संबंधी मानदंडों को पूरा करता हो।

3. उद्भव संबंधी मानदंड : उद्भव संबंधी मानदंडों को पूरा करने वाले माल के लिए, निर्यातक और / या उत्पादक को इस फार्म के बॉक्स 8 में दर्शाये गए तरीके के अनुसार उद्भव संबंधी मानदंडों को दर्शाना चाहिए:

इस फार्म के बॉक्स 12 में उल्लिखित प्रथम देश में उत्पादन या विनिर्माण की परिस्थितियां		बॉक्स 8 में भरें
(क)	इस नियमावली के नियम 4 को संतुष्ट करने वाले माल	"डब्ल्यू ओ"
(ख)	इस नियमावली के नियम 5 के उप नियम 1 के उपवाक्य (क) के उद्भव संबंधी मानदंड को संतुष्ट करने वाले माल	यथोचित अर्हता मानदंड
(ग)	इस नियमावली के नियम 5 के उप नियम 1 के उपवाक्य (क) में दिये गये मानदंडों को संतुष्ट करने वाले माल	"क्यूवीसी ()% और "सीटीएसएच"
(घ)	इस नियमावली के नियम 7 में उल्लिखित उद्भव संबंधी मानदंडों को संतुष्ट करने वाले माल	यथोचित अर्हता मानदंड

4. प्रत्येक वस्तु को अर्हता संबंधी आवश्यकता को अवश्य पूरा करना चाहिए। ध्यान दिया जाना चाहिए कि खेप का सम्पूर्ण माल इस करार के अंतर्गत वरीयता परक टैरिफ संव्यवहार के लिए अलग-अलग अर्ह होना चाहिए। यह बात उस समय ज्यादा सुसंगत हो जाती है जब विभिन्न आकार की एक समान वस्तुएं या उनके कलपुर्ज एक ही बीजक या सकल सीओ पर घोषित किए जाते हैं।

5. माल का विवरण : माल का विवरण पर्याप्त रूप से विस्तृत होना चाहिए जिससे कि आयातकर्ता पक्षकार के सीमाशुल्क प्राधिकारी उसकी पहचान कर सके। उत्पादक का नाम और ट्रेडमार्क का विशेष रूप से उल्लेख होना चाहिए।

6. हारमोनाइज्ड सिस्टम नम्बर : आयातकर्ता पक्षकार का हारमोनाइज्ड सिस्टम नम्बर होना चाहिए।

7. निर्यातकर्ता : बॉक्स 11 में उल्लिखित निर्यातकर्ता में उत्पादक भी शामिल है।

8. कार्यालय के प्रयोगार्थ : आयातकर्ता पक्षकार के सीमाशुल्क प्राधिकारी को बॉक्स 4 में दिये गये सुसंगत बॉक्सों में (✓) का निशान लगाना चाहिए कि क्या वरीयतापरक संव्यवहार प्रदान किया गया है अथवा नहीं।

9. बीजक जारी करने वाला दूसरा देश: यदि बीजक इस नियमावली के अनुबंध-III के पैराग्राफ 15 के अनुसार जारी किया जाता है तो बीजक जारी करने वाले तीसरे पक्षकार वाले बॉक्स में (✓) का निशान लगाया जाना चाहिए और व्यापारिक निकाय जो बीजक जारी कर रहा है का नाम और देश जैसी सूचना को बॉक्स 1 में दर्शाई जानी चाहिए।

10. प्रदर्शनी : यदि माल को निर्यातकर्ता देश के भू क्षेत्र से किसी दूसरे देश में प्रदर्शनी के लिए भेजा जाता है और उस माल को प्रदर्शनी के दौरान या उसके बाद किसी पक्षकार के भू क्षेत्र में आयात किए जाने के बाद बेच दिया जाता है तो, इस नियमावली के अनुबंध-III के पैराग्राफ-14 के अनुसार, प्रदर्शनी वाले बॉक्स में (✓) का निशान लगाया जाना चाहिए और बॉक्स 2 में प्रदर्शनी का नाम और पता दर्शाया जाना चाहिए।

11. भूतलक्षी प्रभाव से जारी : यदि उद्भव प्रमाण पत्र इस नियमावली के अनुबंध-III के पैराग्राफ 5 के अनुसार भूतलक्षी प्रभाव से जारी किया जाता है तो "भूतलक्षी प्रभाव से जारी" वाले बॉक्स में (✓) का निशान लगाया जाना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS)
NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2011

No. 43/2011-CUSTOMS (N.T.)

G.S.R. 500(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Customs Tariff (Determination of Origin of Goods Under the Preferential Trade Agreement Between the Governments of the Republic of India and Malaysia) Rules, 2011.

(2) They shall come into force on the 1st day of July, 2011.

2. Definitions.- (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) “**carrier**” means any vehicle for transportation by air, sea and land;
- (b) “**CIF value**” means the price actually paid or payable to the exporter for goods including the cost of the goods, insurance, and freight necessary to deliver the goods to the named port of destination and the valuation shall be made in accordance with the World Trade Organisation (WTO) Agreement on Implementation of rule VII of General Agreement on Tariffs and Trade (GATT), 1994;
- (c) “**FOB value**” means the price actually paid or payable to the exporter for goods when the goods are loaded onto the carrier at the named port of exportation, including the cost of the goods and all costs necessary to bring the goods onto the carrier and the valuation shall be made in accordance with the World Trade Organisation (WTO) Agreement on Implementation of rule VII of General Agreement on Tariffs and Trade (GATT), 1994;
- (d) “**goods**” means any merchandise, product, article or material;
- (e) “**Harmonised system**” means the nomenclature of the Harmonised Commodity Description and Coding System defined in the International Convention on the Harmonised Commodity Description and Coding System including all legal notes thereto, as adopted and implemented by the State parties in their respective tariff laws;
- (f) “**identical and interchangeable materials**” means materials being of the same kind and commercial quality, possessing the same technical and

physical characteristics, and which, once they are incorporated into the finished goods cannot be distinguished from one another for origin purposes by virtue of any markings, *et cetera*;

- (g) **“materials”** means ingredients, raw materials, parts, components, sub-assemblies or goods that are used in the production of other goods or are physically incorporated into other goods;
- (h) **“originating goods”** means goods that qualify as originating in accordance with the provisions of rule 3;
- (i) **“Parties”** means the Governments of the Republic of India and Malaysia collectively;
- (j) **“Party”** means the Governments of the Republic of India or Malaysia as the case may be;
- (k) **“Product specific rules”** means rules which specify that the materials have undergone a change in tariff classification or a specific manufacturing or processing operation, or satisfy qualifying value content criterion, or a combination of any of these criteria, as provided in Annexure-I to these rules; and,
- (l) **“production”** means a method of obtaining goods including growing, planting, mining, harvesting, raising, breeding, extracting, gathering, collecting, capturing, fishing, trapping, hunting, manufacturing, producing, processing, assembling or disassembling the goods.

3. Originating goods.- For the purposes of these rules, goods imported by a Party which are consigned directly as referred to in rule 9, shall be deemed to be originating and eligible for preferential tariff treatment if,-

- (a) the goods are wholly obtained or produced in the territory of the exporting Party as referred to in rule 4; or,
- (b) the goods are not wholly obtained or produced in the territory of the exporting Party but the said goods are eligible for preferential treatment under rule 5 or rule 6.

4. Wholly obtained or produced goods.- (1) For the purposes of clause (a) of rule 3, the following goods shall be deemed to be wholly obtained or produced in the territory of a Party, namely:-

- (a) the plant and plant products grown, planted and harvested there;
- (b) the live animals born and raised there;
- (c) the products obtained from live animals referred to in clause (b);

- (d) the goods obtained from hunting, trapping, fishing, aquaculture, gathering or capturing conducted there;
- (e) the minerals and other naturally occurring substances, not included in clauses (a), (b), (c) or (d), extracted or taken from its soil, waters, seabed or beneath their seabed;
- (f) the goods taken from the waters, seabed or beneath the seabed outside the territorial waters of that Party:

Provided that the Party has the rights to exploit such waters, seabed and beneath the seabed in accordance with the United Nations Convention on the Law of the Sea, 1982;

- (g) the goods of sea-fishing and other marine goods taken from the high seas by vessels registered with a Party and entitled to fly the flag of that Party;
- (h) the goods processed or made on board factory ships registered with a Party and entitled to fly the flag of that Party, exclusively from goods referred to in clause (g);
- (i) the articles collected there which cannot perform their original purpose and are not capable of being restored or repaired and are fit only for disposal or recovery of parts of raw materials, or for recycling purposes; and,
- (j) the goods obtained or produced in the territory of a Party solely from goods referred to in clauses (a) to (i)

(2) For the purposes of,-

(i) clause (a), the word "plant" shall mean all plant life, including forestry goods, fruit, flowers, vegetables, trees, seaweed, fungi and live plants;

(ii) clause (b) and clause (c), the word "animals" shall include all animal life, including mammals, birds, fish, crustaceans, molluscs, reptiles, and living organisms;

(iii) clause (c), the word "products" shall include those obtained from live animals without further processing, including milk, eggs, natural honey, hair, wool, semen and dung obtained from live animals referred to in clause (b); and,

(iv) clause (i), goods shall include all scrap and waste including scrap and waste resulting from manufacturing or processing operations or consumption in the same country, scrap machinery, discarded packaging and all products that can no longer perform the purpose for which they were produced and are fit only for disposal for the recovery of raw materials and such manufacturing or processing operations shall include all types of processing, which shall include industrial, chemical, mining, agriculture, construction, refining, incineration and sewage treatment operations.

5. Not wholly obtained or produced goods.— (1) For the purposes of clause (b) of rule 3, goods shall be deemed to be originating goods, when,—

- (a) such goods satisfy the criteria under the Product Specific Rules provided in Annexure-I of these rules; or,
- (b) (i) all non-originating materials used in the production of the goods have undergone a change in tariff classification in a sub-heading at the six digit level of the Harmonised system; and,
- (ii) qualifying value content of the goods is not less than thirty five per cent of the FOB value:

Provided that the final process of manufacturing is performed within the territory of the exporting Party.

(2) For the purposes of this rule, the following are the formulae for calculating the qualifying value content, namely:—

(a) Direct Method:

$$\frac{\text{Originating Material Cost} + \text{Direct Labour Cost} + \text{Direct Overhead Cost} + \text{Other Cost} + \text{Profit}}{\text{FOB Price}} \times 100 \% \geq 35\%$$

(b) Indirect Method:

$$\frac{\text{Value of imported non-originating materials} + \text{Value of materials of undetermined origin}}{\text{FOB Price}} \times 100 \% \leq 65\%$$

(3) The value of the non-originating materials shall be,—

- (a) the CIF value at the time of importation of the materials, parts or produce; or,
- (b) the earliest ascertained price paid for the materials, parts or produce of undetermined origin in the territory of the Party where the working or processing takes place.

(4) The method of calculating the FOB value is as specified in Annexure-II of these rules.

(5) For the purposes of this rule,-

- (a) the Parties may adopt either the direct or indirect method of calculating the qualifying value content;
- (b) each Party shall adhere to one method;
- (c) any change in the method of calculation shall be notified to the other Party at least six months prior to the adoption of the new method; and,
- (d) any verification of the content by the importing Party shall be done on the basis of the method used by the exporting Party.

6. Cumulative rule of origin.- Unless the context otherwise requires, the goods which comply with the requirements of origin provided for in rule 3 and which are used in the territory of a Party as materials for the finished goods eligible for preferential tariff treatment under these rules shall be considered to be originating in the territory of the latter Party where working or processing of the finished goods has taken place.

7. De minimis.- (1) Goods that do not undergo a change in tariff classification pursuant to rule 5 and Annexure-I in the final process of production shall be deemed to be originating if,-

- (a) for the goods except for those falling within Chapters 1 to 14 and Chapters 50 to 63 of the Harmonised system, the value of all non-originating materials used in its production, which do not undergo the required change in tariff classification, does not exceed ten percent of the FOB value of the goods;
- (b) for the goods falling within Chapters 50 to 63 of the Harmonised system, the total weight of non-originating basic textile materials used in its production, which do not undergo the required change in tariff classification, does not exceed eight percent of the total weight of all the basic textile materials used; and
- (c) the goods meet all other applicable criteria set forth in these rules for qualifying as originating goods.

(2) The value of such non-originating materials shall be included in the value of non-originating materials for any applicable requirement of qualifying value content for the goods.

8. Minimal operations and processes.- (1) Notwithstanding anything contained in these rules, goods shall not be considered as originating in the territory of a Party if the

following operations are undertaken exclusively by itself or in combination in the territory of that Party, namely:-

- (a) operations to ensure the preservation of goods in good condition during transport and storage including, but not limited to, drying, freezing, keeping in brine, ventilation, spreading out, chilling, placing in salt, sulphur dioxide or other aqueous solutions, removal of damaged parts, and like operations;
- (b) simple operations consisting of removal of dust, sifting or screening, sorting, classifying, matching including the making-up of sets of articles, washing, painting, cutting;
- (c) changes of packing and breaking up and assembly of consignments;
- (d) simple cutting, slicing and repacking or placing in bottles, flasks, bags, boxes, fixing on cards or boards, and all other simple packing operations;
- (e) affixing of marks, labels or other like distinguishing signs on goods or their packaging;
- (f) simple mixing of goods whether or not of different kinds, where one or more components of the mixture do not meet the conditions laid down in this Chapter to enable them to be considered as originating goods;
- (g) simple assembly of parts of goods to constitute complete goods;
- (h) disassembly;
- (i) slaughter which means the mere killing of animals; and,
- (j) mere dilution with water or another substance that does not materially alter the characteristics of the goods.

(2) For textiles and textile goods, an article or material shall not be considered to be originating in the territory of a Party by virtue of merely having undergone any of the following, namely:-

- (a) simple combining operations, labelling, pressing, cleaning or dry cleaning or packaging operations, or any combination thereof;
- (b) cutting to length or width and hemming, stitching or over-locking fabrics which are readily identifiable as being intended for a particular commercial use;
- (c) trimming or joining together by sewing, looping, linking, attaching of accessory articles such as straps, bands, beads, cords, rings and eyelets;

- (d) one or more finishing operations on yarns, fabrics or other textile articles, such as bleaching, waterproofing, decanting, shrinking, mercerizing, or similar operations; or,
- (e) dyeing or printing of fabrics or yarns.

Explanation.- For the purposes of this rule, the word “simple” means activities which do not require special skills or machines, apparatus or equipment especially produced or installed for carrying out the activity.

9. Direct consignment.- Originating goods shall be deemed to be directly consigned from the territory of the exporting Party to the territory of the importing Party if,-

- (a) the goods are transported without passing through the territory of any non-Party; or,
- (b) the goods are transported through the territory of any non-Party where,-
 - (i) the transit entry is justified for geographical reasons or transport requirements;
 - (ii) the goods have not entered into trade or consumption in the territory of such non-Party;
 - (iii) the goods have not undergone any operation in the territory of such non-Party other than unloading and reloading or any operation required to keep the goods in good condition; and,
 - (iv) the goods have remained under the control of the customs authority of such non-Party.

10. Treatment of packing materials and containers.- (1) If the goods are subject to the change in tariff classification criterion as provided in sub-clause (i) of clause (b) of sub-rule (1) of rule 5, packing materials and containers classified together with the packaged goods shall not be taken into account in determining the origin.

(2) If the goods are subject to qualifying value content requirement as provided in sub-clause (ii) of clause (b) of sub-rule (1) of rule 5, the value of the packing materials and containers, shall be taken into account in determining the origin of those goods:

Provided that the packing materials and containers are considered as forming a whole with the goods and the goods are packaged in such packaging materials and containers for the purposes of retail sale.

Explanation.- The packing materials and the containers in which the goods are packed for the purposes of shipment and used exclusively for the transportation of the goods shall not be taken into account in determining the origin of such goods.

11. Accessories, spare parts, tools and instructional or other information material.- (1) Any accessories, spare parts, tools, instructional or other information material delivered with the goods that form part of the standard accessories, spare parts, tools or instructional or other information material of the goods, shall be treated as originating goods if the goods are originating goods, and shall not be taken into account in determining whether all the non-originating materials used in the production of the goods undergo the applicable change in tariff classification subject to the following conditions, namely:-

- (a) the accessories, spare parts, tools or the instructional and other information material are not invoiced separately from the goods; and,
- (b) the quantities and value of the accessories, spare parts, tools or the instructional and other information material are standard trade practice for the goods in the domestic market of the exporting Party.

(2) If the goods are subject to a qualifying value content requirement, the value of the accessories, spare parts, tools or the instructional and other information material shall be taken into account as originating or non-originating materials, as the case may be, in calculating the qualifying value content of the goods.

12. Indirect materials.- In order to determine whether goods originate in the territory of a Party, any indirect material, including power, fuel, plant and equipment, machines, tools or consumables used to obtain such goods shall be treated as originating, irrespective of the origin of the material and its value shall be the cost registered in the accounting records of the producer of such goods.

13. Identical and interchangeable materials.- When goods are manufactured utilising both originating and non-originating materials, mixed or physically combined, the origin of such materials shall be determined on the basis of generally accepted accounting principles of stock control applicable or in accordance with the methods of inventory management practised in the exporting Party.

Explanation.- For the purposes of this rule, “generally accepted accounting principles” means recognized consensus or substantial authoritative support given in the territory of a Party with respect to the recording of revenues, expenses, costs, assets, and liabilities, the disclosure of information, and the preparation of financial statements and may encompass broad guidelines for general application, and detailed standards, practices, and procedures.

14. Certificate of origin.- A claim that the imported goods shall be accepted as eligible for preferential tariff treatment shall be supported by a certificate of origin issued by an authority or authorities designated by the Government of the exporting Party and notified to the other Party in accordance with the procedure stated in the Annexure-III and in the format specified in Annexure-IV to these rules.

[F. No. 456/13/2010-Cus. V]

ABHINAV GUPTA, Under Secy.

Annexure-I

(see rule 5)

Part 1

1. For the purposes of this Annexure,-
 - (a) **“Chapter”** means the first two digits of the tariff classification number under the Harmonised system;
 - (b) **“heading”** means the first four digits of the tariff classification number under the Harmonised system; and,
 - (c) **“Sub-heading”** means the first six digits of the tariff classification number under the Harmonised system.
2. This Annexure consists of,-
 - (a) Column 1 – Tariff heading (4-digit)
 - (b) Column 2 – Tariff sub-heading (6-digit)
 - (c) Column 3 – Product description
 - (d) Column 4 – Applicable Product-Specific Rules of Origin.
3. Where a tariff heading or sub-heading is subject to alternative Product Specific Rules, it shall be sufficient to comply with one of the rules.
4. Where the Product Specific Rule requires only regional value content, the final process of production must be performed within a Party.
5. A requirement of a change in tariff classification applies only to non-originating materials.
6. Where the change in tariff classification rule expressly excludes a change from other tariff classifications, the exclusion applies only to non-originating materials.
7. For the purposes of column 4 of this Annexure,-
 - (a) **“CC”** means that all non-originating materials used in the production of the goods have undergone a change in tariff classification at the 2-digit level;
 - (b) **“CTH”** means that all non-originating materials used in the production of the good have undergone a change in tariff classification at the 4-digit level;
 - (c) **“CTSH”** means that all non-originating materials used in the production of the good have undergone a change in tariff classification at the 6-digit level;

(d) “**RVC (XX)**” means that the goods must have a regional value content of not less than XX per cent as calculated under sub-rule (2) of rule 5 of these rules; and,

(e) “**WO**” means that the goods must be wholly produced or obtained in accordance with rule 4 of these rules.

8. Chapter notes within this Annexure apply to all headings or sub-headings within the indicated chapter unless there exists a specific exclusion.

Part 2

Product Specific Rules

Tariff heading	Tariff sub-heading	Product description	Product Specific Rule
(1)	(2)	(3)	(4)
15.07		Soya-bean oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	
1507	1507.90	Other	RVC (40) or CTH
29.33		Heterocyclic compounds with nitrogen hetero-atom(s) only.	
2933	2933.69	Compounds containing an unfused triazine ring (whether or not hydrogenated) in the structure: Other	RVC (40) or CTH
38.12		Prepared rubber accelerators; compound plasticisers for rubber or plastics, not elsewhere specified or included; anti-oxidising preparations and other compound stabilisers for rubber or plastics.	
3812	3812.30	Anti-oxidising preparations and other compound stabilisers for rubber or plastics	RVC (40) or CTH
39.24		Tableware, kitchenware, other household articles and hygienic or toilet articles, of plastics.	
3924	3924.90	- Other:	RVC (40) or CTH
44.01		Fuel wood, in logs, in billets, in twigs, in faggots or in similar forms; wood in chips or particles; sawdust and wood waste and scrap, whether or not agglomerated in logs, briquettes, pellets or similar forms.	
4401	4401.10	Fuel wood, in logs, in billets, in twigs, in faggots or in similar forms	CTH
4401	4401.21	Wood in chips or particles, coniferous	CTH
4401	4401.22	Wood in chips or particles, non-coniferous	CTH
4401	4401.30	Sawdust and wood waste and scrap, whether or not agglomerated in logs, briquettes, pellets or similar forms	CTH

(1)	(2)	(3)	(4)
44.02		Wood charcoal (including shell or nut charcoal), whether or not agglomerated.	
4402	4402.10	- Of bamboo	CTH
44.07		Wood sawn or chipped lengthwise, sliced or peeled, whether or not planed, sanded or end-jointed, of a thickness exceeding 6 mm.	
4407	4407.10	Coniferous: Damar Minyak, Podo, Sempilor and Other	CTH
4407	4407.21	-- Mahogany (<i>Swietenia spp.</i>):	CTH
4407	4407.25	-- Dark Red Meranti, Light Red Meranti and Meranti Bakau:	CTH
4407	4407.26	-- White Lauan, White Meranti, White Seraya, Yellow Meranti and Alan:	CTH
4407	4407.29	-- Other: of Kapur, Ramin and Other	CTH
4407	4407.91	-- Of Oak (<i>Quercus spp.</i>):	CTH
4407	4407.92	-- Of beech (<i>Fagus spp.</i>):	CTH
4407	4407.99	-- Other: Heavy hardwoods - Balau, Belian, Bitis etc	CTH
44.08		Sheets for veneering (including those obtained by slicing laminated wood), for plywood or for similar laminated wood and other wood, sawn lengthwise, sliced or peeled, whether or not planed, sanded, spliced or end-jointed, of a thickness not exceeding 6 mm.	
4408	4408.10	- Coniferous: Face veneer sheets	CTH
4408	4408.31	-- Dark Red Meranti, Light Red Meranti and Meranti Bakau: Face veneer sheets	CTH
4408	4408.39	-- Other tropical wood: Face veneer sheets	CTH
4408	4408.90	- Other wood: Face veneer sheets	CTH
44.10		Particle board, oriented strand board (OSB) and similar board (for example, wafer board) of wood or other ligneous materials, whether or not agglomerated with resins or other organic binding substances.	
4410	4410.11	-- Of wood: Particle board	CTH
4410	4410.12	-- Of wood: Oriented strand board (OSB)	CTH
4410	4410.90	- Other	CTH
44.11		Fibreboard of wood or other ligneous materials, whether or not bonded with resins or other organic substances.	
4411	4411.12	-- Medium density fibreboard (MDF): Of a thickness not exceeding 5 mm	CTH
4411	4411.13	-- Medium density fibreboard (MDF): Of a thickness exceeding 5 mm but not exceeding 9 mm	CTH
4411	4411.14	-- Medium density fibreboard (MDF): Of a thickness exceeding 9 mm	CTH
4411	4411.92	-- Other: Of a density exceeding 0.8 g/cm ³	CTH
4411	4411.94	-- Other: Of a density not exceeding 0.5 g/cm ³	CTH

(1)	(2)	(3)	(4)
44.12		Plywood, veneered panels and similar laminated wood.	
4412	4412.10	- Of bamboo	RVC (35)
4412	4412.31	- - Other plywood consisting solely of sheets of wood (other than bamboo), each ply not exceeding 6 mm thickness: With at least one outer ply of tropical wood specified in sub-heading Note 1 to this Chapter	RVC (40) or CTH
4412	4412.32	- - Other plywood consisting solely of sheets of wood (other than bamboo), each ply not exceeding 6 mm thickness: Other, with at least one outer ply of non-coniferous wood:	RVC (40) or CTH
4412	4412.39	- - Other plywood consisting solely of sheets of wood (other than bamboo), each ply not exceeding 6 mm thickness: Other	RVC (40) or CTH
4412	4412.99	- - Other: With at least one outer ply of non-coniferous wood:	RVC (35)
44.20		Wood marquetry and inlaid wood; caskets and cases for jewellery or cutlery, and similar articles, of wood; statuettes and other ornaments, of wood; wooden articles of furniture not falling in Chapter 94.	
4420	4420.10	- Statuettes and other ornaments, of wood: Prayer beads, of wood	CTH
4420	4420.90	- Other: Wood marquetry and inlaid wood:	CTH
70.13		Glassware of a kind used for table, kitchen, toilet, office, indoor decoration or similar purposes (other than that of heading 70.10 or 70.18).	
7013	7013.49	- - Glassware of a kind used for table (other than drinking glasses) or kitchen purposes other than of glass-ceramics: Other	RVC (40) or CTH
73.05		Other tubes and pipes (for example, welded, riveted or similarly closed), having circular cross-sections, the external diameter of which exceeds 406.4 mm, of iron or steel.	
7305	7305.11	- - Line pipe of a kind used for oil or gas pipelines: Longitudinally submerged arc welded	RVC (40) or CC except from 7208 to 7211
7413	7413.00	Stranded wire, cables, plaited bands and the like, of copper, not electrically insulated.	RVC (40) or CTH
74.18		Table, kitchen or other household articles and parts thereof, of copper; pot scourers and scouring or polishing pads, gloves and the like, of copper; sanitary ware and parts thereof, of copper.	
7418	7418.19	- - Table, kitchen or other household articles and parts thereof; pot scourers and scouring or polishing pads, gloves and the like: Other:	RVC (40) or CTH

(1)	(2)	(3)	(4)
76.04		Aluminum bars, rods and profiles.	
7604	7604.10	- Of aluminum, not alloyed	RVC (40) or CTH
82.07		Interchangeable tools for hand tools, whether or not power-operated, or for machine-tools (for example, for pressing, stamping, punching, tapping, threading, drilling, boring, broaching, milling, turning or screw driving), including dies for drawing or extruding metal and rock drilling or earth boring tools.	
8207	8207.20	- Dies for drawing or extruding metal	RVC (40) or CTH

Annexure-II (See rule 5)

Method of calculation of FOB value

1. FOB value shall be calculated in the following manner, namely:-
 - (a) **FOB Value = ex-factory price + other costs**
 - (b) **Other costs** in the calculation of the FOB value shall refer to the costs incurred in placing the goods in the ship for export, including but not limited to, domestic transport costs, storage and warehousing, port handling, brokerage fees, service charges, *et cetera*.
2. Formula for ex-factory price,-
 - (a) **Ex-factory price = production cost + profit**
 - (b) Formula for **production cost**,-
 - (i) **Production cost = cost of raw materials + labour cost + overhead cost**
 - (ii) **Cost of raw materials** shall consist of,-
 - (a) Cost of raw materials
 - (b) Freight and insurance

(iii) **Labour cost** shall include,-

- (a) Wages
- (b) Remuneration
- (c) Other employee benefits associated with the manufacturing process

(iv) **Overhead costs**, (non-exhaustive list) shall include, but not limited to,-

- (a) real property items associated with the production process (insurance, factory rent and leasing, depreciation on buildings, repair and maintenance, taxes, interests on mortgage),
- (b) leasing of and interest payments for plant and equipment,
- (c) factory security,
- (d) insurance (plant, equipment and materials used in the manufacture of the goods),
- (e) utilities (energy, electricity, water and other utilities directly attributable to the production of the goods),
- (f) research, development, design and engineering,
- (g) dies, moulds, tooling and the depreciation, maintenance and repair of plant and equipment,
- (h) royalties or licenses (in connection with patented machines or processes used in the manufacture of the goods or the right to manufacture the goods),
- (i) inspection and testing of materials and the goods,
- (j) storage and handling in the factory,
- (k) disposal of recyclable wastes, and,
- (l) cost elements in computing the value of raw materials, that is, port and clearance charges and import duties paid for dutiable component.

Annexure-III
(see rule 14)

Procedure regarding claim of preferential tariff treatment and certificate of origin of Goods

1. Issuing authorities.- (1) The certificate of origin shall be issued in the format provided in Annexure-IV to these rules, by authorities designated by the exporting Party and shall be referred to individually as "Issuing Authority" or collectively as "Issuing Authorities".

(2) Each Party shall provide, electronically or otherwise, original sets of specimen signatures and specimen of official seals used by their issuing authorities, including their names and addresses to the other Party and any subsequent change in names, addresses, specimen signatures or official seals shall be promptly informed to the other Party in the same manner.

(3) For the purpose of determining originating status, an Issuing Authority shall have the right to call for any supporting documentary evidence or to carry out any check considered appropriate.

Explanation.- For the purposes of sub-paragraph (1), the Ministry of Commerce and Industry, Government of India shall designate the Issuing Authority for the purposes of export of goods from India.

2. Application for certificate of origin.- (1) The exporter or the producer of the goods satisfying the criteria of preferential tariff treatment under these rules shall apply in writing to the relevant Issuing Authorities requesting for pre-exportation verification of the origin of the goods and the result of such verification, subject to review periodically or whenever appropriate, shall be accepted as the supporting evidence in verifying the origin of the said goods to be exported thereafter:

Provided that the pre-exportation verification may not apply to the goods of which, by their nature, origin can be easily verified.

(2) At the time of carrying out the formalities for exporting the goods under preferential tariff treatment, the exporter or producer or their authorised representative shall submit a written application to the relevant Issuing Authority for the issue of the certificate of origin together with appropriate supporting documents proving that the goods to be exported qualify for the issuance of a certificate of origin.

3. Pre-exportation examination.- (1) The Issuing Authority shall, to the best of their competence and ability, carry out proper examination upon each application for the certificate of origin to ensure the following, namely:-

- (a) the application and the certificate of origin are duly completed and signed by the exporter or producer or their authorised signatory;

- (b) the origin of the goods is in conformity with the rules;
- (c) the other statements of the certificate of origin correspond to supporting documentary evidence submitted; and,
- (d) the description, quantity and weight of goods, marks and number of packages, as specified, conform to the goods to be exported.

4. Format of certificate of origin.- (1) The certificate of origin shall be in a printed format on an ISO size paper or on any other medium, including electronic format and shall be completed in English in conformity with the specimen and the instructions contained therein as set out in the Annexure-IV attached to these rules.

(2) No erasures or superimpositions shall be made on the certificate of origin and any alteration shall be made by striking out the error and making any addition required:

Provided that such alterations shall be approved and certified by the officer authorised to sign the certificate of origin on behalf of the relevant Issuing Authority:

Provided further that any unused spaces shall be crossed out to prevent any subsequent addition.

(3) The certificate of origin shall comprise one original and one duplicate copy and each certificate of origin shall bear a reference number given separately by each place or office of issuance of a Party.

5. Issuance of certificate of origin.- (1) The Issuing Authority of the exporting Party shall issue the certificate of origin at the time of exportation, or within three working days from the date of shipment, if the goods to be exported can be considered originating in that Party in accordance with these rules:

Provided that where a certificate of origin has not been issued at the time of exportation or within three working days from the date of shipment due to involuntary errors or omissions or other valid reasons, the certificate of origin may be issued retroactively but not later than nine months from the date of shipment.

(2) The Issuing Authority of the exporting Party shall indicate in box 8 of the certificate of origin, the relevant criteria, mentioned in the rules, under which the goods qualify as originating.

(3) The Issuing Authorities shall retain the duplicate copy and shall provide the original to the exporter who shall forward it to the importer for submission to the customs authority at the port or place of importation.

(4) In the event of theft, loss or destruction of a certificate of origin, the exporter or producer or their authorised representative may apply in writing to the Issuing Authority which issued it, for the certified true copy of the original on the basis of the export documents in their possession and the copy so issued shall bear the endorsement

“CERTIFIED TRUE COPY” in box 12 and bear the date of the original certificate of origin:

Provided that the certified true copy of a certificate of origin shall be issued within the validity period of the original certificate of origin.

6. Presentation of certificate of origin.- (1) The original certificate of origin shall be submitted to the customs authority of the importing Party at the time of filing the import declaration for the goods covered under the said certificate.

(2) In cases where the certificate of origin is not accepted by the customs authority of the importing Party, the customs authority may deny preferential tariff treatment on the imported goods and shall mark accordingly in box 4 of the certificate of origin and return the original certificate of origin to the Issuing Authority along with the notification of the grounds for denial of the preferential tariff treatment within a reasonable period, but not exceeding two months from the date of filing of import declaration.

(3) On receipt of the notification from the customs authority of the importing Party as per sub-paragraph (2), the concerned Issuing Authority shall send detailed clarification addressing such grounds for denial of preferential tariff treatment, within two months from the receipt of such notification and on receipt of the clarification, the customs authority of the importing Party, on being satisfied with such clarification, shall reinstate the preferential tariff treatment.

(4) The customs authority of the importing Party may suspend the provision of preferential tariff treatment on the imported goods in case of reasonable doubt as to the authenticity or accuracy of the certificate of origin and may request the Issuing Authority of the exporting Party to conduct a retroactive check prior to grant of preferential tariff treatment under this agreement.

(5) The customs authority of the importing Party may request an importer for information or documents relating to the origin of imported goods in accordance with its domestic laws and regulations before requesting the retroactive check pursuant to sub-paragraph (4).

(6) The customs authority of the importing Party shall in case of denial of preferential tariff treatment under sub-paragraph (2), or suspension under sub-paragraph (4), release the goods to the importer subject to any administrative measures deemed necessary:

Provided that the goods shall not be released if they are held subject to import prohibition or restriction and if there is no suspicion of fraud.

(7) Multiple items declared on single invoice and single certificate of origin shall be allowed, provided that each item qualifies as originating goods separately in its own right in accordance with these rules.

7. Validity of the certificate of origin.- (1) The validity of the certificate of origin shall be twelve months from the date of its issuance and the certificate of origin shall be submitted to the customs authority of the importing Party within its period of validity.

(2) When the certificate of origin is submitted to the customs authority of the importing Party after the expiration of its period of validity, such certificate of origin is still to be accepted when failure to observe the time limit results from *force majeure* or other valid reasons beyond the control of the exporter:

Provided that in all cases, the customs authority of the importing Party may accept such certificate of origin provided that the goods have been imported before the expiry of the validity period of the said certificate of origin.

8. Discrepancies in the certificate of origin.- (1) Where the origin of goods is not in doubt, the discovery of minor discrepancies between the statements made in the certificate of origin and those made in the documents submitted to the customs authority of the importing Party for the purpose of carrying out the formalities for importing the goods, shall not, *ipso facto*, invalidate the certificate of origin, if it does in fact correspond to the said goods.

(2) For multiple goods declared under the same certificate of origin, a problem encountered with one of the goods listed shall not affect or delay the granting of preferential tariff treatment and customs clearance of the remaining goods listed in that certificate of origin.

9. Origin verification.- (1) The customs authority of the importing Party may request the Issuing Authority of the exporting Party to perform a retroactive check at random or when it has reasonable doubt as to the authenticity of the certificate of origin or as to the accuracy of the information regarding the true origin of the goods in question or of certain parts thereof.

(2) The request for a retroactive check shall be accompanied with the relevant certificate of origin and shall specify the reasons and any additional information suggesting that the particulars given on the said certificate of origin may be inaccurate, unless the retroactive check is requested on a random basis.

(3) The Issuing Authority of the exporting Party shall, on receipt of such request, conduct a retroactive check on the cost statement of the exporter or the producer based on the current cost and prices and shall send a reply to the customs authority of the importing Party within three months of the date of receipt of request.

(4) The retroactive check process, including the actual process and the determination of whether the subject goods are originating or not, should be completed and the result should be communicated to the importer within six months of the date of presentation of the certificate of origin to the customs authority of the importing Party.

10. Verification visit.- (1) If the customs authority of the importing Party is not satisfied with the outcome of the retroactive check, it may, under exceptional circumstances, perform a verification visit, and for this purpose, it may deliver a written notification of its intention to conduct the said verification visit to the premises of the exporter or producer in the territory of the exporting Party.

(2) The written notification mentioned in sub-paragraph (1), shall be delivered simultaneously to the importer, and, the producer or the exporter whose premises are to be visited, and to the following authorities, namely:-

- (a) the Issuing Authority of the exporting Party; and,
- (b) the customs authority or any other appropriate authority of the exporting Party.

(3) The written notification mentioned in sub-paragraph (1), shall be comprehensive and shall include the following, namely:-

- (a) the name of the producer or the exporter whose premises are to be visited;
- (b) the proposed date of the verification visit;
- (c) the coverage, scope and purpose of the proposed verification visit; and,
- (d) the names and designation of the officials performing the verification visit.

(4) The customs authority of the importing Party shall conduct the verification visit subject to receipt of the written consent of the producer or the exporter whose premises are to be visited:

Provided that when the written consent of the producer or the exporter is not obtained within thirty days from the date of receipt of the written notification, the customs authority of the importing Party may deny preferential tariff treatment to the goods referred to in the said certificate of origin that would have been subject to the verification visit:

Provided further that, the Issuing Authority of the exporting Party may postpone the proposed verification visit and notify the customs authority of the importing Party of such intention within fifteen days from the date of receipt of the notification:

Provided further that, notwithstanding any postponement, the verification visit shall be carried out within sixty days from the date of receipt of the written notification, or such longer period as the Parties may agree.

(5) Subsequent to the verification visit or when the consent for the verification visit is not obtained, the customs authority of the importing Party shall provide the concerned producer or exporter and the Issuing Authority of the exporting Party with a written determination of whether or not the subject goods qualify as originating goods and any

suspended preferential tariff treatment may be reinstated upon determination that the goods qualify as originating goods under the rules.

(6) The concerned producer or the exporter shall be allowed thirty days from the date of receipt of the written determination to provide in writing, comments or additional information, regarding the eligibility of the goods for preferential tariff treatment and if on receipt of the comments of the producer or the exporter, the customs authority of the importing Party maintains the view that the goods are non-originating, it shall communicate the final written determination to the Issuing Authority within thirty days of the date of receipt of the comments or the additional information from the producer or the exporter and the importer.

(7) The verification visit process, including the actual visit and the determination of whether the subject goods are originating or not, shall be carried out and its results communicated to the Issuing Authority within a maximum period of six months from the date when the verification visit was conducted.

11. Record keeping requirements.- (1) The application for certificate of origin and all documents related to such application shall be retained by the Issuing Authorities for not less than five years from the date of issue.

(2) Information relating to the validity of the certificate of origin shall be furnished by the Issuing Authorities upon request of the customs authority of the importing Party.

(3) A copy of the certificate of origin and all relevant documents shall be retained by the importer, exporter or producer for not less than five years from the date of issue, in any medium that allows for prompt retrieval, including, but not limited to, digital, electronic, optical, magnetic or hard copy.

(4) The importer, exporter or producer shall make the documents available for inspection by an officer of the relevant customs authority or the relevant Issuing Authority and shall provide facilities for inspection thereof.

12. Change of destination of the goods.- (1) When destination of all or part of the goods exported to a specified port of the importing Party is changed, before their arrival in the importing Party, the exporter or producer shall apply in writing to the Issuing Authority of the exporting Party, accompanied with the issued certificate of origin, for issuance of new certificate of origin for all or such part of the goods.

(2) When destination of all or part of the goods exported to a specified port of the importing Party is changed, after their arrival in the importing Party, the customs authority of the importing Party shall, on the basis of a written application of the importer, endorse the certificate of origin to this effect for all or such part of the goods and the original returned to the importer.

13. Documentation in case of direct consignment.- For the purpose of availing preferential tariff treatment on the imported goods, when transportation of the said

goods is effected through the territory of one or more non-Parties in terms of clause (b) of rule 9 these rules, the following documents shall be produced to the customs authority of the importing Party, namely:-

- (a) a through bill of lading issued in the exporting Party;
- (b) a certificate of origin issued by the relevant Issuing Authority of the exporting Party;
- (c) a copy of the original commercial invoice in respect of the goods; and,
- (d) any other documents as evidence that the requirements of clause (b) of rule 9 of these rules have been complied with.

14. Preferential treatment in case of exhibition etc.- (1) Goods sent from an exporting Party for exhibition in another Party and sold during or after the exhibition in the Party shall benefit from the preferential tariff treatment under this agreement on the condition that the goods meet the origin requirements of these rules:

Provided that the customs authority of the importing Party is satisfied that,-

- (a) the exporter has dispatched the said goods from the territory of the exporting Party to the territory of the importing Party where the exhibition is held and has exhibited them there;
- (b) the exporter has sold or transferred the goods to a consignee in the importing Party; and,
- (c) the goods have been consigned during the exhibition or immediately thereafter in the state in which they were sent for exhibition.

(2) For the purposes of implementing the sub-paragraph (1), the certificate of origin must be produced to the customs authority of the importing Party and the name and address of the exhibition must be indicated in the certificate of origin issued by the relevant Issuing Authority.

(3) Sub-paragraph (1) shall apply to any exhibition, fair or similar show or display in the venue where the goods remain under customs control during these events.

15. Third party invoicing.- The customs authority of the importing Party shall accept certificate of origin of the originating goods where the sales invoice is issued either by a business entity located in a non-Party or by an exporter for the account of the said business entity, provided that the goods meets the requirements of these rules.

16. Action against fraudulent acts.- When it is suspected that fraudulent acts in connection with the certificate of origin have been committed, the Parties shall cooperate in the action to be taken in the territory of the respective Party against the persons involved.

1. Goods consigned from (Exporter's business name, address, country. In the case of third party invoicing, name and country of the business entity issuing the invoice)			Reference No. _____ INDIA-MALAYSIA COMPREHENSIVE ECONOMIC COOPERATION AGREEMENT PREFERENTIAL TARIFF TREATMENT CERTIFICATE OF ORIGIN (Combined Declaration and Certificate) FORM IMCECA Issued in _____ (Country) See Notes Overleaf		
2. Goods consigned to (Consignee's name, address, country)			4. For Official Use <input type="checkbox"/> Preferential Treatment Given Under India-Malaysia Comprehensive Economic Cooperation Agreement Preferential Tariff <input type="checkbox"/> Preferential Treatment Not Given (Please state reason/s) _____ Signature of Authorised Signatory of the Importing Country		
3. Means of transport and route (as far as known) Departure date _____ Vessel's name/Aircraft etc. _____ Port of Discharge _____					
5. Item number	6. Marks and numbers on packages	7. Number and type of packages, description of goods (including quantity where appropriate and HS number of the importing country)	8. Origin criterion	9. Gross weight or other quantity and value (FOB)	10. Number and date of Invoices
11. Declaration by the exporter The undersigned hereby declares that the above details and statement are correct; that all the goods were produced in _____ (Country) and that they comply with the origin requirements specified for these goods in the India-Malaysia Comprehensive Economic Cooperation Agreement for the goods exported to _____ (Importing Country) _____ Place and date, signature of authorised signatory			12. Certification It is hereby certified, on the basis of control carried out, that the declaration by the exporter is correct. _____ Place and date, signature and stamp of certifying authority		
13. Where appropriate please tick: <input type="checkbox"/> Third Party Invoicing <input type="checkbox"/> Exhibition <input type="checkbox"/> Issued Retroactively <input type="checkbox"/> Cumulation					

OVERLEAF NOTES

1. Parties which accept this form for the purpose of preferential tariff treatment under the India-Malaysia Comprehensive Economic Cooperation Agreement (IMCECA):

INDIA MALAYSIA

2. **CONDITIONS:** To enjoy preferential tariff treatment under the IMCECA, goods sent to any Parties listed above:

- (i) must fall within a description of goods eligible for preferential tariff treatment in the country of destination;
- (ii) must comply with the consignment conditions in accordance with rule 9 of these rules; and,
- (iii) must comply with the origin criteria in these rules.

3. **ORIGIN CRITERIA:** For goods that meet the origin criteria, the exporter and/or producer must indicate in Box 8 of this Form, the origin criteria met, in the manner shown in the following table:

Circumstances of production or manufacture in the first country named in box 11 of this form	Insert in Box 8
(a) Goods satisfying rule 4 of these rules	"WO"
(b) Goods satisfying origin criteria in clause (a) of sub-rule (1) of rule 5 of these rules	Appropriate qualifying criteria
(c) Goods satisfying origin criteria in clause (a) of sub-rule (1) of rule 5 of these rules	"QVC []% and CTSH"
(d) Goods satisfying origin criteria in rule 7 of these rules	Appropriate qualifying criteria

4. **EACH ARTICLE MUST QUALIFY:** It should be noted that all the goods in a consignment must qualify for preferential tariff treatment under this Agreement separately in their own right. This is of particular relevance when similar articles of different sizes or spare parts are declared on single invoice and single CO.
5. **DESCRIPTION OF GOODS:** The description of goods must be sufficiently detailed to enable the goods to be identified by the customs authority of the importing Party. Name of producer and any trade mark shall also be specified.
6. **HARMONIZED SYSTEM NUMBER:** The Harmonized system number shall be that of the importing Party.
7. **EXPORTER:** The term "Exporter" in Box 11 may include the producer.
8. **FOR OFFICIAL USE:** The customs authority of the importing Party must indicate (✓) in the relevant boxes in Box 4 whether or not preferential tariff treatment is accorded.
9. **THIRD PARTY INVOICING:** In cases where invoices are issued as per paragraph 15 of Annexure-III of these rules, "the Third Party Invoicing" box should be ticked (✓) and such information as name and country of the business entity issuing the invoice shall be indicated in Box 1.
10. **EXHIBITIONS:** In cases where goods are sent from the territory of the exporting Party for exhibition in another country and sold during or after the exhibition for importation into the territory of a Party, in accordance with paragraph 14 of Annexure-III of these rules, the "Exhibitions" box should be ticked (✓) and the name and address of the exhibition indicated in Box 2.
11. **ISSUED RETROACTIVELY:** In cases of CO being issued retroactively, in accordance with paragraph 5 of Annexure-III of these rules, the "ISSUED RETROACTIVELY" box should be ticked (✓).